E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 49 | प्रयागराज, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- ईरान के पास अब समय नहीं हैं,3 दिन में सीजफायर की शर्त नहीं मानी तो तेल पाइपलाइन ब्लास्ट हो जाएंगी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी। ईरान ने अमेरिका के साथ समझौते को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उसने कहा है कि न्यूक्लियर कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह संदेश पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। ईरान ने इन दोनों

मुद्दों को अपनी 'रेड लाइन' बताया है और कहा है कि इन पर किसी भी तरह का समझौता संभव नहीं है। साथ ही, यह भी साफ किया कि यह कोई औपचारिक बातचीत नहीं है, बल्कि अपनी स्थिति साफ करने की एक कूटनीतिक पहल है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस पूरे मामले में तय सीमाओं के भीतर रहकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। रिपोर्टः ईरान ने होर्मुज खोलने का ऑफर दिया, परमाणु बातचीत बाद में होगी.ईरान ने अमेरिका को एक नया प्रस्ताव दिया है, जिसका मकसद होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना और युद्ध खत्म करना है। एक अमेरिकी अधिकारी और इस मामले से जुड़े दो सूत्रों के मुताबिक, इस योजना में यह भी कहा गया है कि परमाणु मुद्दे पर बातचीत बाद में की जाए। यह जानकारी एक्सियोस ने दी है।वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कूटनीतिक कोशिशें रुक सी गई हैं और इस्लामाबाद में हुई हाल की बातचीत में भी कोई खास नतीजा नहीं निकला। इसी के साथ ईरान के अंदर भी मतभेद हैं, खासकर इस बात पर कि परमाणु मुद्दे पर कितनी रियायत दी जाए। नया प्रस्ताव इन मतभेदों को फिलहाल किनारे रखकर पहले तुरंत वाले संकट को खत्म करने पर जोर देता है। यानी पहले युद्ध खत्म करने और हालात संभालने की बात, और परमाणु मुद्दा बाद में। इससे जल्दी समझौता करने की कोशिश की जा रही है। इजराइल ने हालिया ईरान युद्ध के दौरान अपना एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम और सैन्य कर्मियों को यूएई में तैनात किया था। यह जानकारी एक्सियोस की रिपोर्ट में सामने आई है, जिसमें अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों का हवाला दिया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, यह तैनाती पहले सार्वजनिक नहीं की गई थी और युद्ध के शुरुआती दौर में की गई, जब यूएई पर ईरान की ओर से लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे थे। इन हमलों का निशाना खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकाने और अन्य अहम ठिकाने थे। बताया जा रहा है कि अबू धाबी ने अपने महत्वपूर्ण नागरिक और सैन्य ढांचे पर खतरा बढ़ने के बाद अपने सहयोगी देशों से तुरंत मदद मांगी थी। इसी के तहत इजराइल ने यह एयर डिफेंस सिस्टम वहां भेजा।

इंटरव्यू में पत्रकार पर ट्रम्प भड़के, कहा- मैं रेपिस्ट नहीं-मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है,एंकर ने हमलावर का बयान टीवी पर पढ़ दिया था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक इंटरव्यू के दौरान महिला पत्रकार पर भड़क गए। यह मामला हिल्टन होटल में फायरिंग के आरोपी कोल टॉमस एलन के मैसेज से जुड़ा था।एलन ने हमले से 10 मिनट पहले परिवार को एक मैनिफेस्टो (लिखित बयान) भेजा था। इसमें उसने 'पेडोफाइल, रेपिस्ट और गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था, लेकिन उसने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। इसी मामले को लेकर पत्रकार नोरा ओ'डोनल ने जब ट्रम्प से पूछा कि क्या ये आरोप उन्हीं की तरफ इशारा करते हैं? इस पर ट्रम्प ने कहा कि मैं न तो रेपिस्ट हूं, न ही किसी का रेप किया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ये भी कहा, 'आपने एक बीमार आदमी की बकवास टीवी पर पढ़ दी। मुझे उन चीजों से जोड़ा गया, जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पहले ही पूरी तरह क्लीन चिट मिल चुकी है।' इस पर नोरा ने साफ किया कि वे मेरे शब्द नहीं थे, बल्कि आरोपी ने लिखे थे। इस पर ट्रम्प ने कहा कि ऐसे आरोप टीवी पर पढ़ना ही गलत था। इंटरव्यू में जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वे खुद निशाने पर थे, उन्होंने कहा कि मुझे पक्के तौर पर नहीं पता।

हालांकि, घटना के दौरान मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि दुनिया ऐसी ही है और ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। ट्रम्प ने कहा कि पहले मुझे लगा था कि यह छोटी घटना है, लेकिन फिर समझ आया कि मामला गंभीर है। उस वक्त एक आर्टिस्ट शो कर रहा था और माहौल सामान्य लग रहा था, लेकिन अचानक सब बदल गया। ट्रम्प ने कहा कि सुरक्षा टीम मुझे तुरंत बाहर ले जाना चाहती थी, लेकिन मैं देखना चाहता थे कि क्या हो रहा है। बाद में एजेंट्स ने मुझे नीचे झुकने को कहा तो मैं और मेलानिया दोनों जमीन पर लेट गए और फिर सुरक्षित जगह ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मैं आधे रास्ते तक खड़े होकर जा रहा था, फिर एजेंट्स के कहने पर नीचे झुक गया, क्योंकि वहां खतरा ज्यादा था। मैंने पहले भी ऐसी स्थितियां देखी हैं, लेकिन मेलानिया के लिए यह नया अनुभव था। फिर भी उन्होंने स्थिति को अच्छे से संभाला। इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि घटना खराब थी, लेकिन उतनी बड़ी नहीं बनी, क्योंकि किसी की मौत नहीं हुई और कोई घायल नहीं हुआ। ऐसी हिंसा कोई नई बात नहीं है। यह 20, 50, 100 या 500 साल से होती आ रही है। लोग मारे जाते हैं, घायल होते हैं। मुझे नहीं लगता कि आज यह पहले से ज्यादा हो रहा है। ट्रम्प ने राजनीतिक हिंसा भड़काने के लिए डेमोक्रेट नेताओं की 'हेट स्पीच' को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यह बहुत खतरनाक स्थिति है। ट्रम्प सरकार के कई मंत्री हमलावर के निशाने पर थे

आरोपी ने अपने लिखे नोट में कहा था कि सरकार के बड़े नेता उसके निशाने पर थे और वह उन्हें एक-एक करके टारगेट करना चाहता था। अब वह किसी 'देशद्रोही' के काम में शामिल नहीं होना चाहता। अच्छी बात यह रही कि वह उस हॉल तक नहीं पहुंच पाया, जहां ट्रम्प, उनकी पत्नी मेलानिया और बड़े अधिकारी मौजूद थे।

सुरक्षा टीम ने समय रहते उसे रोक लिया और ट्रम्प को तुरंत वहां से बाहर ले जाया गया। इस घटना के बाद एक बार फिर ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं, क्योंकि पहले भी उन पर हमले की कोशिश हो चुकी है।

माली के रक्षामंत्री सादियो की बम धमाके में मौत,कल घर पर सुसाइड कार से हमला हुआ

बमाको। माली के रक्षा मंत्री सादियो कामारा की बम धमाके में

मौत हो गई। शनिवार को राजधानी बमाको से करीब 15 किमी दूर काटी शहर में उनके घर पर आत्मघाती कार से हमला किया गया। हमले में सादियो की दूसरी पत्नी और दो पोते भी मारे गए। यह जानकारी उनके परिवार और अधिकारियों ने दी। एक रिश्तेदार ने रॉयटर्स को उनकी मौत की पुष्टि की, जबकि उनके साले ने फेसबुक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। हमले के पीछे अल-कायदा से जुड़ा जिहादी संगठन जीएनआईएम और तुआरेग विद्रोही समूह एफएलए का गठजोड़ बताया जा रहा है। दोनों संगठनों ने मिलकर यह हमला किया। इस हमले के साथ ही देश के कई हिस्सों में भी हिंसा भड़क गई। बमाको, गाओ, किदाल और सेवरे समेत कई शहरों में गोलीबारी और धमाकों की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति असीमी गोइता को सुरक्षित जगह ले जाया गया क्योंकि उनके घर को भी निशाना बनाया गया था। रक्षा मंत्री सादियो कामारा माली की सैन्य सरकार के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। वे पेशे से सैन्य अधिकारी थे और लंबे समय तक सेना में सेवा देने के बाद शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे। 2020 और 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद उनका कद तेजी से बढ़ा और वे सत्ता के केंद्र में आ गए। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने माली की सुरक्षा नीति तय करने में अहम भूमिका निभाई। कामारा को माली और रूस के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों का प्रमुख सूत्रधार माना जाता था। उनके कार्यकाल में माली ने फ्रांस और पश्चिमी देशों से दूरी बनाकर रूस के साथ सहयोग बढ़ाया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वे केवल रक्षा मंत्री ही नहीं, बल्कि सैन्य शासन के सबसे ताकतवर चेहरों में शामिल थे। तुआरेग विद्रोही संगठन एफएलए ने उत्तरी शहर किदाल पर कब्जा करने का दावा किया है। एफएलए का कहना है कि किदाल अब पूरी तरह उनके नियंत्रण में है।

हालांकि माली की सेना ने कहा है कि किदाल समेत कई इलाकों में अभी भी ऑपरेशन जारी हैं और हमलावरों को खदेड़ा जा रहा है। विद्रोहियों ने यह भी दावा किया है कि एक समझौते के तहत माली सेना और उसके रूसी सहयोगियों को शहर छोड़ने की अनुमति दी गई है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। किदाल को माली का रणनीतिक रूप से बेहद अहम शहर माना जाता है। यह लंबे समय तक तुआरेग विद्रोहियों का गढ़ रहा है, जिसे माली सेना ने नवंबर 2023 में रूस के समर्थन से दोबारा अपने कब्जे में लिया था।

ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं,वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

तेहरान। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ईरानी विदेश मंत्री ने पाक पीएम और आर्मी चीफ से मुलाकात की- अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मिलकर बातचीत की। अराघची ने ओमान के सुल्तान से की मुलाकात- मस्कट में ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ युद्ध और शांति बहाली पर चर्चा हुई। ईरान और फ्रांस के विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत- दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने सीजफायर और कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की ट्रम्प और ब्रिटिश पीएम के बीच फोन कॉल- डोनाल्ड ट्रम्प और कीर स्टार्मर ने होर्मुज में शिपिंग बहाल करने पर बात की। जापान को अमेरिका से पहला तेल टैंकर मिला- होर्मुज संकट के बीच जापान को अमेरिका से कच्चे तेल का टैंकर मिला, जो पनामा नहर के रास्ते पहुंचा।

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेश मंत्री,पाक पीएम और आर्मी चीफ को शर्तें सौंपी,ट्रम्प ने अपने दूतों को इस्लामाबाद जाने से रोका

वॉशिंगटन डीसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची

शनिवार शाम इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले ही लौट गए। उन्होंने अपने दौरे के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान को ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंप दी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि ईरान अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही अमेरिका तक पहुंचाएगा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया। ये दोनों ईरान से बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है, तो वह खुद अमेरिका से संपर्क कर सकता है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। अमेरिका चाहता है कि यहां से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह खुली और सुरक्षित रहे, ताकि तेल सप्लाई में रुकावट न हो। वहीं ईरान इस इलाके पर अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है और इसे बातचीत में दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करता है। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करे, ताकि वह परमाणु हथियार न बना सके। लेकिन ईरान कहता है कि उसका प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण (जैसे बिजली बनाने) के लिए है और वह इसे बंद नहीं करेगा।

यूपी के 12 शहरों में शरीर को झुलसा रही धूप जल्दी आ सकता हैं बुढ़ापा, स्किन कैंसर का खतरा

लखनऊ। देशभर में भीषण गर्मी और आसमान साफ रहने से अल्ट्रावायलेट रेडिएशन सीधे धरती पर पहुंच रहा है। यूपी के बांदा, प्रयागराज, लखनऊ जैसे कई शहरों में भी रेडिएशन का लेवल हाई है। यहां 15 मिनट से ज्यादा समय तक धूप में रहने से स्किन झुलस (सनबर्न) सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये हमारे डीएनए को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में जानना जरूरी है कि 'अल्ट्रावायलेट रेडिएशन' क्या होता है? यूपी के जिलों में रेडिएशन का स्तर क्या है? इससे होने वाले नुकसान से कैसे बचा जा सकता है? सवाल- अल्ट्रावायलेट रेडिएशन क्या होता है? जवाब- अल्ट्रावायलेट (यूवी) रेडिएशन सूरज से निकलने वाली ऐसी किरणें हैं, जो आंखों से दिखाई नहीं देतीं। लेकिन, ये हमारे बॉडी और स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ये रेडिएशन शरीर में विटामिन-डी बनाने के लिए जरूरी होता है। लेकिन, ज्यादा देर तक इसके संपर्क में रहने से सनबर्न (धूप की वजह से स्किन जलना), मोतियाबिंद और स्किन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- किन शहरों में यूवी रेडिएशन

का खतरा सबसे ज्यादा है? जवाब- पूरे यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। आसमान साफ होने की वजह से सूरज की किरणें बिना रुकावट के सीधे जमीन तक पहुंच रहीं। इस वजह से यूपी के कई जिलों में अल्ट्रावायलेट रेडिएशन खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। वेदर वेबसाइट 'टूटिएम्पो' के मुताबिक, यूपी के ज्यादातर जिलों में यूवी रेडिएशन 8 या उससे ऊपर है। इसका सबसे ज्यादा खतरा बुंदेलखंड के जिलों में है। बांदा, झांसी, ललितपुर, महोबा में यूवी रेडिएशन 10 तक पहुंच गया है। ये रेडिएशन के बहुत ज्यादा खतरनाक स्तर को दिखाता है। सवाल- कहां यूवी रेडिएशन का खतरा सबसे ज्यादा है? जवाब- भारत के दक्षिणी और पहाड़ी राज्यों में यूवी रेडिएशन का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। दक्षिणी राज्य भूमध्य रेखा के करीब हैं। गर्मी के दिनों में यहां सूरज की किरणें सीधी पड़ती हैं। इससे अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का खतरा बढ़ जाता है।इसके अलावा पहाड़ों पर भी अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का खतरा 10 से 12फीसदी बढ़ जाता है। पतली हवा और ओजोन की कम डेंसिटी रेडिएशन को नहीं रोक पाती। बर्फ से ढकी चोटियां यूवी किरणों को आईने की तरह रिफ्लेक्ट करती हैं, जिससे प्रभाव दोगुना हो जाता है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख और सिक्किम में यूवी रेडिएशन हाई रहता है। सवाल- क्या ओजोन परत यूवी रेडिएशन नहीं रोक पाती? जवाब- सूरज से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणें तीन तरह की होती हैं। इन्हें यूवी-ए, यूवी-बी और यूवी-सी कहते हैं। ओजोन परत यूवी-ए रेडिएशन को रोक नहीं पाती। इसका करीब 100फीसदी हिस्सा धरती तक पहुंचता है। ये अन्य दो तरह के यूवी रेडिएशन से कम खतरनाक होती है। यूवी-ए त्वचा में गहराई तक जाकर समय से पहले बुढ़ापा (झुर्रियां, ढीली त्वचा, सनबर्न) की वजह बन सकती है। वहीं, यूवी-बी रेडिएशन का सिर्फ 5फीसदी हिस्सा ही धरती पर आता है, जबकि 95फीसदी को ओजोन परत रोक लेती है। इससे स्किन कैंसर और मोतियाबिंद जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ओजोन जानलेवा यूवी-सी रेडिएशन को 100फीसदी सोखकर एक भी किरण धरती तक नहीं पहुंचने देती। इसके संपर्क में आने से शरीर की जीवित कोशिकाएं तुरंत नष्ट हो सकती हैं। इस तरह ओजोन पर सूरज से आने वाले करीब 90फीसदी रेडिएशन को रोक लेता है। सिर्फ 10फीसदी रेडिएशन ही धरती की सतह तक पहुंच पाता है।

चाबहार की हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है भारत,अमेरिकी प्रतिबंध हटने तक जारी रहेगी अस्थायी व्यवस्था-भारत का यहां रु1100 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट में अपनी हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम अस्थायी तौर पर उठाया जा सकता है, ताकि अमेरिका के प्रतिबंधों से मिली छूट खत्म होने के बाद भी काम जारी रह सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का इस पोर्ट में रु1100 करोड़ का निवेश है। भारत सरकार इस मुद्दे पर अमेरिका और ईरान दोनों से अलग-अलग बातचीत कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यह बातचीत बेहद संवेदनशील है और इसमें शामिल अधिकारियों ने पहचान उजागर करने से इनकार किया है। भारत को नवंबर 2025 में छह महीने की छूट मिली थी, जिससे चाबहार पोर्ट पर बिना रुकावट काम होता रहा। यह छूट इस महीने खत्म हो रही है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि भारत चाबहार प्रोजेक्ट से पूरी तरह बाहर निकलने की योजना नहीं बना रहा है। भविष्य में यहां कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना है, जिसमें रेल लिंक भी शामिल है, जिससे अफगानिस्तान और आगे तक पहुंच मजबूत होगी। भारत इस अस्थायी ट्रांसफर को अमेरिका और ईरान के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश के तौर पर देख

रहा है। एक तरफ अमेरिका का ईरान पर सख्त प्रतिबंध है, वहीं दूसरी तरफ चाबहार पोर्ट भारत की रणनीति का अहम हिस्सा है। यह पोर्ट पाकिस्तान को बायपास करते हुए सीधे अफगानिस्तान तक पहुंच देता है। चाबहार पोर्ट होर्मुज स्ट्रेट के पास है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। इसकी लोकेशन इसे रणनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण बनाती है। चाबहार पोर्ट लंबे समय से भारत की क्षेत्रीय रणनीति का हिस्सा रहा है। इसे पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट में चीन की मौजूदगी के जवाब के तौर पर भी देखा जाता है। ऐसे में हिस्सेदारी ट्रांसफर का कोई भी कदम क्षेत्रीय कूटनीति पर असर डाल सकता है। भारत ने साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान ईरान से चाबहार पोर्टको लेकर बातचीत शुरू की। बाद में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के कारण यह प्रक्रिया रुक गई।

साल 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने चाबहार पोर्टमें 800 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की। साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान और अफगानिस्तान के नेताओं के साथ चाबहार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत ने एक टर्मिनल के लिए 700 करोड़ रुपए देने और पोर्टके विकास के लिए 1,250 करोड़ रुपए का कर्ज देने का फैसला किया। साल 2024 में तत्कालीन विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने ईरान के विदेश मंत्री से मुलाकात कर कनेक्टिविटी के मुद्दे पर चर्चा की। चाबहार पोर्ट से भारत के 2 फायदे-1. बिना पाकिस्तान के रास्ते सेंट्रल एशिया तक पहुंच भारत को अफगानिस्तान या दूसरे एशियाई देशों तक सामान भेजने के लिए पाकिस्तान के रास्ते से नहीं जाना पड़ता। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट से सीधा अपना माल अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया भेज सकता है। इससे समय और पैसा दोनों बचते। 2. व्यापार बढ़ेगा-भारत चाबहार के जरिए

नैनी में 'फर्जी पत्रकार गैंग' का खौफनाक खेल! ई-रिक्शा के बहाने लूट-30 हजार नकद, सोने के गहने और घड़ी लूटी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। औद्योगिक क्षेत्र

नैनी इन दिनों एक सनसनीखेज अपराध से दहशत में है। यहां कथित फर्जी पत्रकार गैंग द्वारा फिल्मी अंदाज़ में लोगों को फंसाकर लूटपाट किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दे रहा है, जिससे आम नागरिकों में डर का माहौल बन गया है। कैसे होता है पूरा खेल? सूत्रों के अनुसार, गैंग के सदस्य पहले सुनसान या कम भीड़ वाले इलाके में खड़ी कारों को निशाना बनाते हैं। इसके बाद एक ई-रिक्शा को जानबूझकर कार के पास गिरा दिया जाता है और तुरंत हंगामा खड़ा कर दिया जाता है कि कार की टक्कर से हादसा हुआ है। मामले को और गंभीर बनाने के लिए ई-रिक्शा में बैठी महिला को घायल दिखाया जाता है। फिर शुरू होता है असली खेल–चालक को थाने ले जाने की धमकी, भीड़ इकट्ठा कर मानसिक दबाव बनाना, मौके पर ही 'समझौता' करने के नाम पर मोटी रकम की मांग। पीड़ित ने सुनाई आपबीती-एक भुक्तभोगी ने बताया कि उसे करीब 100 लोगों ने घेर लिया। डर और दबाव में आकर उससे ङ30 हजार रुपये नकद, एक महंगी घड़ी, सोने का ब्रेसलेट और अंगूठीङ छीन ली गई। विरोध करने पर उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। महिलाओं की मौजूदगी से पुलिस भी असमंजस में-इस पूरे घटनाक्रम में महिलाओं की मौजूदगी के कारण मामला और उलझ जाता है। कई बार मौके पर पहुंची पुलिस के लिए तुरंत सच्चाई समझ पाना मुश्किल हो जाता है, जिसका फायदा उठाकर आरोपी फरार हो जाते हैं। 10 से ज्यादा घटनाएं, फिर भी कार्रवाई नहीं! स्थानीय नागरिकों का दावा है कि इस तरह की 10 से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कुछ लोगों ने कांशीराम कॉलोनी के पास रहने वाले एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम भी लिया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। लोगों में डर, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग-क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गिरोह के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि नैनी में कानून व्यवस्था बहाल हो सके और लोगों का भरोसा वापस आ सके। सावधान रहें- अनजान लोगों की भीड़ से दूरी बनाए रखें,किसी भी विवाद में तुरंत पुलिस को सूचित करें, मौके पर पैसे देने से बचें।

संस्कारों के बीच ढोलक की थाप से लोक-संस्कृति को जीवित रख रहे.... पंडित सुभाष कनौजिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। आधुनिक दौर में जहां लोक-संगीत पर अश्लीलता का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, वहीं ढोलक सम्राट पंडित सुभाष

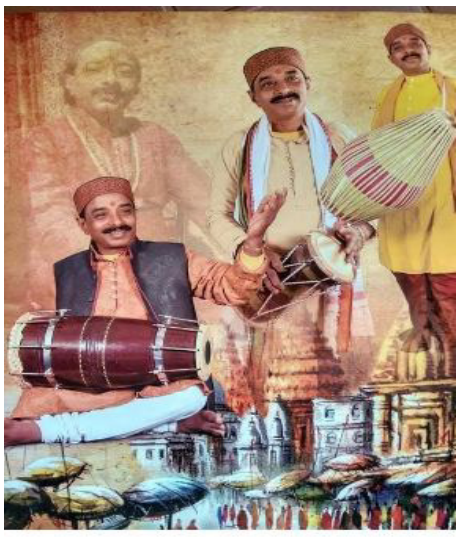

कनौजिया आज भी पारंपरिक, शुद्ध और मनमोहक लोक-गीतों की परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। 1 जुलाई 1974 को वाराणसी जनपद के ग्राम जंगलपुर कठिराव में जन्मे पंडित सुभाष कनौजिया का जीवन संघर्ष, साधना और सफलता की प्रेरक गाथा है। एक साधारण परिवार में जन्मे पंडित जी को उनके माता-पिता स्वर्गीय बसंतु कनौजिया एवं प्रभावती देवी से संस्कार, भक्ति और संगीत की अमूल्य विरासत मिली। बचपन से ही संगीत के प्रति गहरा लगाव रखने वाले पंडित जी ने मात्र 8 वर्ष की आयु में ढोलक वादन शुरू कर दिया था। 13 वर्ष की उम्र तक उन्होंने अखंड रामायण, कीर्तन, नौटंकी और लोकगीतों में मंचीय प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया। उनकी सटीक लय और भावपूर्ण वादन ने उन्हें जल्द ही जनमानस के बीच लोकप्रिय बना दिया। गुरु का मिला साथ, बनी पहचान-16 वर्ष की आयु में वाराणसी आकर उन्होंने गुरु मंगल प्रसाद जी के सान्निध्य में शास्त्रीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। बनारस घराने की बारीकियों को आत्मसात कर उन्होंने अपनी कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने प्रयाग संगीत समिति से 'प्रभाकर' और संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। सम्मान और उपलब्धियां-पंडित सुभाष कनौजिया को उनकी उत्कृष्ट साधना के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं, जिनमें प्रमुख हैं-2002: 'ढोलक सम्राट' उपाधि, 2014: बनारस रत्न सम्मान, 2015: आकाशवाणी ए-ग्रेड कलाकार, 2024: आकाशवाणी टॉप ग्रेड, अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी गौरव सम्मान 2024, 2026: ढोलक तालमणि अवार्ड, देश-विदेश में गूंजती ढोलक की थाप, पंडित जी ने गंगा महोत्सव, ताज महोत्सव, कुंभ महोत्सव सहित देश के अनेक बड़े मंचों पर प्रस्तुति दी है।

इसके अलावा बैंकॉक, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, कतर और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी उन्होंने भारतीय लोक-संगीत का परचम लहराया। मीडिया और फिल्म जगत में योगदान-उन्होंने 'सुर संग्राम', 'फाग जलवा' और 'भक्ति सागर' जैसे कार्यक्रमों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। टी-सीरीज, वेब म्यूजिक सहित कई प्लेटफॉर्म्स पर हजारों प्रोजेक्ट्स में उनका योगदान रहा है। दिग्गज कलाकारों के साथ संगत-पंडित जी ने मनोज तिवारी, उदित नारायण, मालिनी अवस्थी, अनूप जलोटा, कल्पना पटोवारी जैसे कई प्रसिद्ध कलाकारों के साथ मंच साझा किया है।समाज सेवा में भी अग्रणी-वे 'रियल म्यूजिक इंस्टिट्यूट' और 'लोक विधा संगीत प्रशिक्षण केंद्र' के माध्यम से गरीब और दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क संगीत शिक्षा दे रहे हैं। परंपरा को बचाने का संदेश-पंडित सुभाष कनौजिया का मानना है कि आज के समय में लोक-संगीत अपनी शुद्धता खोता जा रहा है। पहले ढोलक पर गाए जाने वाले गीत मन को मोह लेने वाले और संस्कारपूर्ण होते थे, लेकिन आज उनमें अश्लीलता बढ़ती जा रही है। उनका प्रयास है कि नई पीढ़ी को शुद्ध, पारंपरिक और सांस्कृतिक लोक-संगीत से जोड़ा जाए, ताकि भारतीय विरासत सुरक्षित रह सके।

होमगार्ड्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न,आयोजित परीक्षा में 5132 उपस्थित एवं 1877 अनुपस्थित रहें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि आज की आयोजित होमगार्ड्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा में प्रथम पाली में 2547 अभ्यर्थी उपस्थित व 957 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में 2585 अभ्यर्थी उपस्थित व 920 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनो पालियों में 5132 अभ्यर्थी उपस्थित व 1877 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षार्थियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाए की गई है, परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई।

निशा विश्वकर्मा एवं शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड व पूर्व मंत्री पर पथराव से बढ़ा आक्रोश, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गाजीपुर जनपद के थाना करंडा क्षेत्र स्थित ग्राम कटरिया में निशा विश्वकर्मा एवं हरदोई की शिल्पी कुशवाहा के साथ

हुई जघन्य घटना और पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा पर हुए पथराव के विरोध में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम कटरिया निवासी सियाराम विश्वकर्मा की नाबालिग पुत्री निशा विश्वकर्मा के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव गंगा नदी में फेंक दिया गया। घटना की जानकारी पर पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे, लेकिन गांव में ही उन पर पथराव कर दिया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही उनके साथ मौजूद कार्यकर्ता भी चोटिल हुए। आरोप है कि घटना के दौरान पुलिस मौजूद रही, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। राष्ट्रीय सचिव डॉ. शशिकांत शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की, साथ ही लापरवाह पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की भी बात कही। जिला अध्यक्ष जियालाल विश्वकर्मा ने कहा कि यह घटना कानून-व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि न्याय न मिलने पर संगठन आंदोलन करेगा। ज्ञापन में पूर्व मंत्री पर हमले के आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने, पीड़िता के हत्यारों को फांसी की सजा देने, परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा व सुरक्षा उपलब्ध कराने, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह 'आशु' की गिरफ्तारी तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी इंजीनियर वीरेंद्र यादव , जिलाध्यक्ष आखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जिया लाल विश्वकर्मा,प्रदेश सचिव डॉक्टर शशि कांत शर्माकी अध्यक्षता में ज्ञापन सौंपा गया त इस दौरान जिला महासचिव मोहम्मद अरशद खान,श्रवण चौधरी,राजेश मौर्य,श्रवण आजाद,शिव दुलारी जिला अध्यक्ष महिला सभा, लक्ष्मी नरायन शर्मा सहित संगठन के कई पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कारागार में मातृभूमि सेवा मिशन के बैनर तले,निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य शिविर संपन्न

बंदियों का समग्र स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता : प्रभात सिंह, जेलअधीक्षक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाज के उपेक्षित एवं संवेदनशील वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। जेलर हिमांशु रौतेला ने कहा कि चश्मा के नाम से मशहूर चश्मा विक्रेता सुरेश सोनी ने जरूरतमंद बंदियों को 190 से अधिक पुरुष

पहुंचाने की प्रतिबद्धता को साकार करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र, हरियाणा अध्यात्म प्रेरित सेवा संस्थान की रायबरेली इकाई ने रविवार को पूर्वान्ह जिला कारागार के बिमटेक पुस्तकालय एवं वाचनालय में निःशुल्क नेत्र, ईएनटी एवं समग्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का प्रभावी आयोजन किया। मातृ भूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्रा की प्रेरणा तथा जेल अधीक्षक प्रभात सिंह एवं जेलर हिमांशु रौतेला के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में लगभग 200 से अधिक बंदियों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श, निःशुल्क दवाएं एवं जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। आयोजन में कारागार प्रशासन की सक्रिय सहभागिता रही और व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गईं। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रभात सिंह ने कहा कि कारागार में निरुद्ध बंदियों को ऐसे शिविर बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा और विश्वास का संचार करते हैं, जो उनके पुनर्वास में सहायक है। शिविर में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.के. द्विवेदी एवं ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. नीरज सैनी ने बंदियों की आंख, नाक, कान एवं गला संबंधी रोगों का गहन परीक्षण कर उपचार किया। डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि नेत्रों की नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि छोटी लापरवाही भी गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। वहीं डॉ. नीरज सैनी ने कहा कि ईएनटी से जुड़ी बीमारियों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, समय पर जांच ही इसका प्रभावी समाधान है। शिविर में कारागार के डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. मनीष मिश्रा सहित चिकित्सकीय टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया, जबकि फार्मासिस्ट आशीष एवं अन्य स्टाफ ने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखा। मातृ भूमि सेवा मिशन इकाई की ओर से आयोजित नेत्र में शिविर में बंदियों को निःशुल्क दवाएं दी गईं। शहर के बस स्टेशन वाले पंकज और दर्जन भर महिला बंदियों को को निःशुल्क चश्मे वितरण किया। इसमें अमित अग्रहरि, रिया, सोनी एवं राजू सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के अध्यक्ष रामराज गिरी, संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा, जिला योग प्रभारी प्रकाश नारायण पाठक, संयोजक प्रदीप पांडेय, सह-संयोजक रामानुज मिश्रा एवं मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने शिविर के सफल संचालन में सहयोग और सक्रिय भूमिका निभाई। अध्यक्ष रामराज गिरी, संरक्षक महेंद्र अग्रवाल और संयोजक प्रदीप पांडेय ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, और इसी भाव से मिशन निरंतर जनसेवा में जुटा है।मिशन पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहल केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, आत्मबल और सामाजिक पुनर्संयोजन की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में कारागार प्रशासन एवं मिशन पदाधिकारियों ने एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। डिप्टी जेलर जन्मेजय सिंह और डिप्टी जेलर धर्मपाल सिंह ने बंदियों को पूरे अनुशासन के साथ शिविर की सफलता में योगदान किया। कार्यक्रम में हेड वार्डर सज्जन अवस्थी, वार्डर संजू कुमार, मनीष भारती, आशीष, दिग्विजय पाल, शिखर द्विवेदी,राजेश कुमार सहित कारागार के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निलंबित लेखपाल 15 दिवस में अपना जवाब/ स्पष्टीकरण करें प्रस्तुत - एसडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम द्वारा प्रस्तुत कर आप द्वारा एक सप्ताह का अवसर मांगा गया। दिनांक 18 दिसम्बर 2023 से दिनांक 25 फरवरी 2026 तक आरोप पत्र का जवाब जांच अधिकारी/नायब तहसीलदार सलोन के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। ऐसी दशा में 15 दिन का अन्तिम अवसर प्रदान करते हुए पुनः सूचित किया जाता है कि समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपना स्पष्टीकरण जांच अधिकारी/नायब तहसीलदार सलोन के माध्यम से अथवा उपजिलाधिकारी सलोन कार्यालय में कार्य दिवस पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। जवाब/ स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने की दशा में समझा जायेगा कि आप को उपर्युक्त विषय में कुछ नहीं कहना है। तदोपरान्त आपको लेखपाल पद की सेवा से समाप्ति करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।

आशीष विक्रम सिंह निलंबित लेखपाल तहसील सलोन को सूचित किया गया है कि दिनांक 15 सितम्बर 2022 को निलंबित करते हुए दिनांक 30 सितम्बर 2022 को जारी आरोप पत्र दिनांक 05 दिसम्बर 2023 को आपने प्राप्त किया। दिनांक 18 दिसम्बर 2023 को प्रार्थना पत्र

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न, प्रवर्तन अभियान जारी रखने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शेड्यूल एच-1 रजिस्टर समस्त रिटेल मेडिकल स्टोर संचालक बनायेंगे तथा उसमें नारकोटिक्स ड्रग सेल का विवरण भरेंगे। बिना डाक्टर प्रिस्क्रिप्शन के नारकोटिक्स ड्रग का सेल कोई भी फुटकर औषधि विक्रेता नहीं करेंगे।

दरिगापुर में टीबी पर 'वार': गांव पहुंची जांच और पोषण की डबल मुहिम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में चल रहे 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के तहत विकास खंड डलमऊ की ग्राम सभा दरिगापुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष कैंप आयोजित किया गया। अभियान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा के निर्देशन, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह के नेतृत्व और सीएचसी अधीक्षक डॉ. नवीन कुमार की अगुवाई में संचालित हो रहा है, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने गांव पहुंचकर जांच और जागरूकता कार्यक्रम चलाया। कैंप में डॉ. अनंता कुमार के साथ फार्मासिस्ट रंजीत कुमार गौतम, लैब टेक्नीशियन अजय, स्टाफ नर्स पल्लवी तिवारी, एक्स-रे टेक्निशियन शुभम सिंह, राजेंद्र कुमार मिश्रा, सीएचओ एकता सिंह एवं आशा कार्यकर्ता मंदाकिनी ने सेवाएं दीं। पूरे कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शिवेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिनका योगदान सराहनीय रहा। अभियान के अंतर्गत गांव में मोबाइल एक्स-रे वैन भी पहुंचाई गई, जिसका उद्देश्य संभावित टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान करना रहा। मौके पर ही जांच की सुविधा मिलने से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भागीदारी की। शिविर में कुल 115 मरीजों की ओपीडी हुई, जबकि 98 मरीजों का एक्स-रे किया गया। कैंप के दौरान भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निक्षय मित्र के रूप में 15 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। इस पोटली में पोषक आहार सामग्री उपलब्ध कराई गई, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान आवश्यक पोषण मिल सके और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिवनारायण मिश्र उपस्थित रहे। उनके साथ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महेश कुमार मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनका मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान महत्वपूर्ण रहा। साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी प्रयाग नारायण मिश्रा का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने ग्रामीणों को जागरूक करने और सहभागिता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा आशीष कुमार मिश्रा, श्री नारायण मिश्रा, शिवशरण, रामेश्वर, आशीष कुमार काकुष्ठ, शिव मंगल यादव, विजय यादव, राम दयाल, विनोद पटवा एवं राजकुमार (बीडीसी) सहित अन्य ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। स्वास्थ्य विभाग के इस संयुक्त प्रयास से ग्रामीण स्तर पर टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समय पर जांच कराने और मरीजों को पोषण सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, जिससे टीबी मुक्त भारत अभियान को गति मिलने की उम्मीद है।

भारतीय मज़दूर संघ, जिला इकाई रायबरेली का जिला सम्मेलन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारतीय मज़दूर संघ, जिला इकाई रायबरेली का जिला सम्मेलन जिला सहकारी बैंक के सभागार में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश सिंह, प्रदेश मंत्री राय प्रदीप चंद्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमाशंकर जी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला संरक्षक नागेश सिंह, संरक्षक रामकुमार तिवारी एवं श्री आरडी. सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही आशा संगिनी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती उषा जी, ग्रामीण बैंक के राष्ट्रीय सचिव धीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं रोडवेज़ से राकेश तिवारी जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में जनपद के विभिन्न विभागों–ग्रामीण बैंक, आईटीआई, रेलवे, रेल कोच फैक्ट्री, आंगनबाड़ी, एनएचएम, डाक विभाग, एनटीपीसी आदि–के सैकड़ों कर्मचारी एवं संगठन पदाधिकारी भारी संख्या में शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण रहा। सम्मेलन के दौरान भारतीय मज़दूर संघ के गौरवशाली इतिहास, श्रमिक हितों के लिए उसके संघर्ष एवं संगठन की विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय मज़दूर संघ सदैव राष्ट्रहित, श्रमिक कल्याण एवं सामाजिक समरसता के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जिला सम्मेलन के माध्यम से नई जिला कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें–अध्यक्षः चंद्रमोहन सिंह, जिला महामंत्रीः धर्मेन्द्र तिवारी, कोषाध्यक्षः उमाशंकर, कार्यकारी अध्यक्ष/उपाध्यक्षः सुधीर सिंह, उपाध्यक्षः जितेंद्र सिंह, श्रीमती हेमलता साहू, श्रीमती संतोष कुमारी, मंत्रीः संदीप मिश्रा, श्री अंकित कुमार,संगठन मंत्रीः धर्मेन्द्र सिंह चौहान, प्रचार मंत्रीः दिनेश सिंह, कार्यालय मंत्रीः रवि रावत, नई कार्यकारिणी ने सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रमिक हितों की रक्षा एवं संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि सभी संबद्ध संगठनों के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे, तथा जनपद की सभी इकाइयों के अध्यक्ष एवं महामंत्री पदेन सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। अंत में सभी उपस्थित साथियों ने संगठन की मजबूती एवं श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन परीक्षित जन्म की कथा का किया वर्णन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 के ई डब्ल्यू

एस पॉकेट में स्वामी रूपानंद ब्रह्मचारी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने परीक्षित जन्म सहित अन्य कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।महाभारत में जब पांडव विजई हो गए तो अश्वत्थामा ने कुरु वंश को नष्ट करने के लिए रात्रि में चुपके से शिविर में घुसकर द्रोपदी के पांच पुत्रों को मार दिया। इसके उपरांत उसने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु को नष्ट करने के लिए ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया। जब ब्रह्मास्त्र की अग्नि से उत्तरा तड़पने लगी तो भगवान कृष्ण की शरण में आई। भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से ब्रह्मास्त्र को नष्ट किया और शिशु की रक्षा कर उसे अपने विराट रूप का दर्शन कराया। जब शिशु का जन्म हुआ तो वह उसी रूप को ढूंढ रहा था। जन्म से पहले परीक्षा के कारण नाम परीक्षित पड़ा जो बाद में चलकर एक महान राजा हुए। इस मौके पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे, संयोजक संजीव ढाली, देवमणि शुक्ल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, रवि राघव, संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, विष्णु शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, संतोष बिस्वास, मखन बसु, बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, तुषार, प्रेम जी, टोनी ढाली , सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, अनिमेष मंडल, सहित भारी संख्या में सेक्टर वासी मौजूद रहे।

मैहर पुलिस ने रु14 लाख 35 हजार के 85 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए

मैहर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन में जिला साइबर सेल एवं जिले के समस्त थानों की संयुक्त टीम द्वारा सीईआईआर(Central Equipment Identity Register) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण कर विभिन्न कंपनियों के कुल 85 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रेस कर बरामद किए गए। बरामद किए गए मोबाइल फोन सैमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रियलमी, एमआई, इंफिनिक्स, लावा आदि कंपनियों के हैं, जिन्हें मैहर, सतना, रीवा, पन्ना, छतरपुर, चित्रकूट, मऊगंज, टीकमगढ़, गुजरात , दिल्ली, उत्तरप्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से ट्रेस कर प्राप्त किया गया। आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त मोबाइल सीडीओ शिवाकांत द्विवेदी ने उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल को आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर शुभकामनाएं प्रेषित की व उज्ज्वल भविष्य की कामना कीत्स्मार्ट मीटरः सीधे तौर पर जनता का मानसिक और आर्थिक शोषण है।' दादरी की उपेक्षा पर बरसे विकास जैन दादरी अध्यक्ष मनोज गोयल की अनुपस्थिति में विकास जैन ने दादरी क्षेत्र का मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा कि दादरी की 900 मीटर की मुख्य सड़क पिछले कई वर्षों से शासन की घोर उपेक्षा का शिकार है। वर्षों से कार्य अधर में लटके होने के कारण यह सड़क अब धूल और गड्ढों का पर्याय बन चुकी है, जिससे स्थानीय व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है।ग्रेटर नोएडाः शौचालयों पर ताले और साइट-4 में 'अंधेरगर्दी' बंद पड़े शौचालयः ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष सचिन गोयल ने शहर की स्वच्छता रैंकिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों की लागत से बने सार्वजनिक शौचालय लंबे समय से बंद पड़े हैं। बाजारों में शौचालय उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर सभी मोबाइल मालिकों द्वारा पुलिस अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस उल्लेखनीय सफलता पर पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर सेल एवं संबंधित थाना स्टाफ के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई। सराहनीय भूमिका-इस सफलता में जिला साइबर सेल मैहर एवं संबंधित थाना क्षेत्रों के अधिकारी/कर्मचारियों की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही। सीईआईआर पोर्टल- सीईआईआर (Central Equipment Identity Register) भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डॉट) द्वारा संचालित एक नागरिक-केंद्रित पोर्टल है, जिसके माध्यम से गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक कर ट्रैक किया जा सकता है, जिससे मोबाइल का दुरुपयोग रोका जा सके। मैहर पुलिस की नागरिकों से अपील-यदि किसी नागरिक का मोबाइल फोन गुम हो जाता है अथवा चोरी हो जाता है, तो वह तत्काल नजदीकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं फिर सीईआईआर पोर्टल पर जाकर मोबाइल ब्लॉक कराएं ताकि मोबाइल का दुरुपयोग रोका जा सके और उसे ट्रेस कर वापस दिलाया जा सके।

मैहर सर्किट हाउस में विकास मुद्दों पर मंथन, नई बस स्टैंड और सड़क निर्माण पर हुई अहम चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। सर्किट हाउस में सांसद

गणेश सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मैहर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में शहर के विकास से जुड़े अहम मुद्दों, विशेषकर नई बस स्टैंड के निर्माण के लिए भूमि और सड़क निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं पर गंभीर मंथन किया गया। बैठक में मैहर कलेक्टर विदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल सहित अन्य अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। वहीं जनप्रतिनिधियों ने जमीनी स्तर की समस्याओं को सामने रखते हुए समाधान की मांग की। इस दौरान जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, रामखेलावन कोल, जयंती महेश तिवारी, अशोक चौबे, महेश दरयानी, संजय राय, सत्यभान पटेल, महेश तिवारी सहित भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सांसद गणेश सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नई बस स्टैंड और सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्र गति देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

विदेश में रोजगार के लिए इच्छुक अभ्यर्थी करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी रायबरेली तनुजा यादव

ने बताया है कि रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को विदेश में अवसर प्रदान करने हेतु IPS Powerful People संस्था के माध्यम से सऊदी अरब में ओवरसीज भर्ती फब्रिकेशन सुपरवाइजर मकैनिकल हेल्पर पाइप फैब्रिकेटर आदि पदों हेतु लगभग 80 80 रिक्त पद उपलब्ध है। इस हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों के पास पासपोर्ट होना अनिवार्य है। हाईस्कूल, डिप्लोमा-मकैनिकल, आई0टी0आई0 मकैनिक फिटर की योग्यता के अभ्यर्थी पर जॉबसीकर वेब रूप में http://rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीकरण और आवेदन कर सकते है। आयु, अनुभव एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है।

सेक्टर 82 पॉकेट 7 में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस

पॉकेट 7 में आरडब्ल्यूए के संयोजन में यथार्थ हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में शुगर , बीपी , डेंटल, कैल्शियम, त्वचा रोग आदि की जांच की गई जिसका लाभ सैकड़ों लोगों ने उठाया। सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक लोगों की जांच की गई। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि अनियमित दिनचर्या, खान पान, प्रदूषण से लोग रोगों की चपेट में आ रहे हैं। नियमित व्यायाम और समय समय पर स्वास्थ्य परीक्षण से रोगों से बचा जा सकता है। भाग दौड़ भरी जिंदगी में कुछ समय अपने लिए भी निकालना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही से गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं इसलिए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर सुशील पाल, गोरे लाल, शिवव्रत तिवारी, सुभाष शर्मा, यथार्थ से सुनील कुमार, फिजिशियन डॉ जाहिद, डेंटिस्ट डॉ फरीन , त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ दृष्टि एवं अनमोल , बारिश, ब्यूटी के अलावा तमाम लोग मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब नौएडा सिटी ने चेयरमैन आफिशियल विज़िट मनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इनर व्हील महिलाओं की

एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। इनर व्हील क्लब नौएडा सिटी ने हर्षोल्लास से अपने क्लब की सीओवी मनाई। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन दीपिका बाली ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। क्लब ने दीपिका का सम्मान एक पेंटिंग द्वारा किया। क्लब की कार्यक्रम समिति में प्रेसिडेंट दीपिका आनंद पुरी, सेक्रेटरी छवि शर्मा, कोषाध्यक्ष सरिता सहाय व आईएसओ लक्ष्मी मानोरी ने सुचारू रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया तथा सभी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट्स भी पढ़ीं। चार्टर प्रेसिडेंट मंजु सूद की भी गरिमामय उपस्थिति रही। क्लब द्वारा उन्हें भी सम्मानित किया गया। मंजु सूद ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन दीपिका बाली का विस्तृत परिचय कराया, जिसके बाद दीपिका ने भी सभा को सम्बोधित किया। सदस्यों सुमन खंडेलवाल व पूजा खन्ना ने बखूबी मंच का संचालन किया। इस दौरान क्लब ने तीन प्रोजैक्ट भी किए। सुकून विला फाउंडेशन, महिलाओं के लिए एक सीनियर होम, को एक डैज़र्ट कूलर दिया। सोहम स्कूल के आर्टिस्टिक बच्चों के लिए प्लास्टिक की कुर्सियां दीं। तथा कमज़ोर वर्ग की बालिकाओं के लिए वात्सल्यम स्कूल को राशन दिया। लक्ष्मी मानोरी ने नृत्य प्रस्तुत किया। मंजु सूद ने टीवी कार्यक्रम कॉफी विद करण पर आधारित अपना टॉक शो 'माज़ा विद मंजु' का मंचन, डीसी दीपिका बाली के साथ किया। अपनी निर्मित डिज़ाइनर कैंडल और स्वरचित कविता के साथ एक्लिक फोटो फ्रेम से दीपिका जी को सम्मानित भी किया। इनर व्हील में यह शो बेहद लोकप्रिय है व हर नई डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन को इसका इंतज़ार भी रहता है। अपनी पांच वर्ष की अध्यक्षता व अपने क्लब की हर सीओवी में मंजु जी इसे लगातार करती आ रही हैं। क्लब की सदस्यों हरविंदर खुराना, गीता कपूर, नीता शर्मा, रूपाली शर्मा ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। ज्योति श्रीवास्तव, रेनुका देशपाण्डे व गीतांजलि सोलंकी निजी कारणों वश उपस्थित नहीं हो पाईं। अतिथियों में अन्य क्लबों की रूबी बिंद्रा व इंद्रामणि शर्मा उपस्थित रहीं। सदस्यों व मेहमानों को आर्टिस्टिक बच्चों द्वारा बनाए गए उपहार वितरित किए गए। अंततः कार्यक्रम प्रत्येक के सम्पूर्ण योगदान? से अत्यंत सराहनीय रहा।

कलेक्ट्रेट सभागार में व्यापारियों की हुई उच्च बैठक

व्यापारिक संगठनों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम के सानिध्य में आयोजित 'व्यापार बंधु' की उच्च स्तरीय बैठक

में व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी शिवा कांत द्विवेदी ने की। बैठक में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने जिले के प्रशासनिक और बुनियादी ढांचे की जर्जर स्थिति का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया।बैठक में डीसी एडमिन अजीत सिंह, एडीसीपी आर.के. गौतम, ट्रैफिक इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी दीपेंद्र जी और बैंक एडीएम मैनेजर सहित कई विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे। सर्वप्रथम 'डिजिटल इंडिया में पेमेंट के बाद भी अंधेरा क्यों?'बैठक में सबसे ज्वलंत मुद्दा बिजली विभाग की मनमानी और स्मार्ट मीटर की विसंगतियों का रहा। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने सीडीओ को साक्ष्यों के साथ बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से व्यापारियों के बिलों में 30 से 50 प्रतिशत तक की अवैध बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'एक तरफ डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, दूसरी तरफ उपभोक्ता द्वारा समय पर बिल भरने के बाद भी सर्वर की तकनीकी खामी बताकर घंटों बिजली गुल रखी जा रही है। यह जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने व्यापारी बंधुओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुविधाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) औद्योगिक क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास जनपद की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा, इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस मौके पर उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, श्री प्रशान्त जैन नगर अध्यक्ष, श्री राजेश जायसवाल जिला उपाध्यक्ष, श्री नरेन्द्र मोदनवाल जिला उपाध्यक्ष, श्री धीरेन्द्र जा जायसवाल जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, श्री कृष्णा सोनी, श्री राजेश गुप्ता जिलाध्यक्ष उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मेडिकल कालेज गुण्डे टाईप के डक्टरो व दलालो का अड्डा-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पिछली रात पूरी तरह से स्वास्थ्य सेवा ठप होने पर दो बजे रात को मरिजो के फोन लगातार आने परआज किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र के नेतृत्व में मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल जब मेडिकल कालेज के इमरजेन्सी में पहुँच तो अव्यवस्था को देखकर मोर्चा

संयोजक भड़क गये और वहाँ उपस्थित स्टाफ का मरिजो से बत्तमिजि पूर्ण व्यवहार देखकर प्रधानाचार्य को कडी फटकार लगाई व व्यवस्था साफ सफाई मरीजों को शुद्ध पेयजल व इलाज कराने वालों को दवा बाहर से लिखी जाय व जांच भी बाहर नहीं करायी इस आग्रह के साथ मोर्चा संयोजक ने सीएम एस को पांच सुत्रिय मांग पत्र स्वास्थ्य मन्त्री के नाम का दिया व एक सोनभद्र में सौ बेड का अस्पताल जल्द बने इस बात की पुरजोर मांग की आजके कार्यक्रम में काल खरवार तेतरी देवी उदय सिह विवेक मालवीय आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द विजय चौहान दिनेश चेरो सजय बियार अरविन्द चौहान सुजित विश्वकर्मा सुरज कनौजिया व सैकड़ों मरिज उपस्थित रहे।

सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने किया इंटरलॉकिंग रोड का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पंचम राज वित्त आयोग योजना के अंतर्गत विकासखंड रावटसगंज के ग्राम क्षेत्र पंचायत कुरा के टोला मूसही में रविवार को इंटरलॉकिंग रोड का लोकार्पण किया गया।

यह सड़क लालता के जमीन के बगल से जयप्रकाश सिंह के घर तक बनाई गई है। सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने मुख्य अतिथि के रूप में इंटरलॉकिंग रोड का उद्घाटन किया।

उन्होंने बताया कि आम जनमानस की सुविधा हेतु इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया है।

जिला उपाध्यक्ष एवं क्षत्रिय अध्यक्ष

अनुसूचित मोर्चा सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा सड़क का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र पंचायत सदस्य रितेश सिंह, पूर्व बीडीसी संतोष सिंह, मनोज कनौजिया, सुशील कुमार, रंभा देवी, मालती देवी, रवि सेठ, नीता देवी, सुनीता भारती व अंजली पासवान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत- मारकुण्डी, वि0खं0- रॉबट्र्सगंज-सोनभद्र।

पत्रांक / मेमो /टेण्डर-सा0 आ0सू0/2026-27 दिनांक 27.04.2026

निविदा विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मारकुंडी के अन्तर्गत राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/ वीबी-जी राम जी/एस.एल.डब्ल्यू.एम / आर0जी0एस0ए एवं अन्य प्राप्त योजना अंतर्गत धनराशि से निर्माण कार्य कराए जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मों के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अंदर कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति करने हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु अल्प कालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण- गिट्टी, बालू, सरिया, बोल्डर सीमेन्ट, स्टोन, डाला ग्रिट 20 एम0एम0, ईट, इण्टरलाकिंग ईंट, स्टोन डस्ट, सोलर पम्प, आरों मशीन, मिट्टी, पेन्ट, पुट्टी, टाईल्स, हैण्डपम्प रिबोर हैण्डपम्प सामग्री, शौचालय निर्माण की सामग्री सफाईकर्मी किट ह्यूम पाइप दरवाजा खिड़की, समरसेबल पम्प बिजली सम्बन्धित सामाग्री, पानी वाइरिंग संबंधी व अन्य आवश्यकतानुसार सामाग्री । इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29.04.2026 से 13.05.2026 के मध्य सांय 03 बजे तक योजना पर सामग्री आपूर्ति हेतु दरें तथा वांछित संलग्नक बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्रस्तुत करें, जो दिनांक- 15.05.2026 को आपूर्तिकर्ता के समक्ष प्रातः 10.00 बजे ग्राम पंचायत द्वारा गठित समिति, टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते हो के समक्ष पंचायत भवन पर खोला जाएगा। टेण्डर फार्म निर्धारित शुल्क रु0-500.00 मात्र जमा कर कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। नियम और शर्ते टेण्डर फार्म के साथ उपलब्ध करायी जायेगी।

नियम व शर्तेः- 1. निविदा की सभी दरे सभी कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2. जमानत की धनराशि /अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते है । 3. खराब सामग्री आपूर्ति की दशा में. जमानत राशि जब्त कर ली जाएगी। 4. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 5. बिना कारण बताए किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत.....
वि.ख.- रॉबट्र्सगंज
जनपद सोनभद्र

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत-
वि.ख.- रॉबट्र्सगंज
जनपद सोनभद्र

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत मारकुण्डी
वि.ख- सोनभद्र

गर्मियों के लिए बाइक राइडिंग सेफ्टी टिप्स,तेज धूप में चलाते समय बरतें 13 जरूरी सावधानियां,साथ रखें कुछ सामान

नयी दिल्ली। गर्मी की तपती दोपहर, सिर पर चुभती धूप और सामने से आती लपट जैसी गर्म हवा। ऐसे में बाइक चलाना सिर्फ सफर नहीं, एक चुनौती बन जाता है। कुछ ही मिनटों में शरीर थकने लगता है, ध्यान भटकता है और हल्की-सी चूक भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। दरअसल, गर्मियों में बाइक राइडिंग सिर्फ रोड सेफ्टी ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत का भी इम्तिहान लेती है। डिहाइड्रेशन, चक्कर और हीट स्ट्रोक जैसे खतरे हर पल साथ चलते हैं। ऐसे में जरूरी है कि रफ्तार के साथ समझदारी भी बरती जाए। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात करेंगे समर बाइक सेफ्टी की। साथ ही जानेंगे-गर्मी में बाइक चलाते समय किन बातों का ध्यान रखें? अगर बाइक चलाते समय असहजता महसूस हो तो क्या करें? विषय को समझेंगे डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय ज्यादा सावधानी क्यों जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा सावधानी इसलिए जरूरी है क्योंकि रिस्क ज्यादा होता है। बाइक चलाना हेल्थ और रोड सेफ्टी दोनों के लिहाज से थोड़ा चैलेंजिंग होता है। हाई टेम्परेचर शरीर, दिमाग और बाइक तीनों को प्रभावित करता है। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय कौन-से सामान साथ रखने चाहिए? जवाब- गर्मियों में बाइक चलाते समय सेफ्टी और हेल्थ के लिए कुछ सामान साथ रखना जरूरी है। इससे हीट के कारण अचानक होने वाली दिक्कतों से आसानी से निपट सकते हैं। सनस्क्रीन, सनग्लासेस,गमछा / स्कार्फ, हाइड्रेशन ओआरएस ग्लूकोज पाउडर, पानी की बोतल, इलेक्ट्रोलाइट्स ड्रिंक, सेफ्टी गियर, हेलमेट, ग्लव्स, शूज, जरूरी दवाइयां, बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम। सवाल- बाइक चलाते समय खुद को हाइड्रेटेड कैसे रखें?

जवाब- गर्मियों में बाइक चलाते समय हाइड्रेटेड रहना सबसे जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने पर थकान और फोकस में कमी हो सकती है। इससे एक्सीडेंट का खतरा बढ़ता है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें- घर से निकलते हुए 1-2 गिलास पानी पिएं। संभव हो तो पानी के साथ थोड़ा ओआरएस या ग्लूकोज भी लें। नारियल पानी या तरबूज का शरबत भी पीकर निकल सकते हैं। धूप में निकलने से पहले आम पना पीना एक अच्छा ऑप्शन है। निकलते हुए पानी साथ में रखें। पानी में थोड़ा नमक-चीनी घोल लें। रास्ते में हर 20 मिनट पर थोड़ा पानी पिएं। प्यास लगने का इंतजार न करें। चक्कर, कमजोरी हो या ज्यादा प्यास लगे तो तुरंत रुक जाएं। बाइक चलाना खराब वायरिंग, ओवरहीटिंग या मेंटेनेंस की कमी हो, तो चिंगारी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लंबी राइड में बीच-बीच में ब्रेक लें। सवाल- गर्मी में टायर फटने का खतरा क्यों बढ़ जाता है? जवाब- गर्मी में सड़क और टायर दोनों का तापमान बढ़ जाता है। इससे टायर के अंदर का प्रेशर बढ़ता है और फटने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- तेज गर्मी से टायर का तापमान बढ़ना। हवा ज्यादा भरने से प्रेशर बढ़ जाना। गर्म सड़क पर लगातार लंबी राइड करना। घिसे या पुराने टायर का इस्तेमाल करना। टायर में पहले से कट या डैमेज होना। सवाल- गर्मियों में बाइक के कौन से पार्ट्स चेक कराना जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ओवरहीटिंग, ब्रेक फेल या अचानक खराबी का खतरा बढ़ता है। इसलिए सर्विसिंग में इन पार्ट्स की जांच कराएं। टायर और टायर प्रेशर-क्यों जरूरी? गर्मी में हवा का वॉल्यूम बढ़ने (फैलने) से प्रेशर बढ़ता है। ओवरप्रेशर से टायर फटने का खतरा होता है। क्या करें? एयर प्रेशर मेंटेन रखें। घिसे या पुराने टायर बदलें। इंजन ऑयल-क्यों जरूरी? गर्मी में इंजन जल्दी ओवरहीट होता है। खराब ऑयल से इंजन डैमेज हो सकता है। क्या करें? ऑयल लेवल और क्वालिटी चेक करें। जरूरत हो तो ऑयल बदलें। कूलिंग सिस्टम-क्यों जरूरी? इंजन को ओवरहीट होने से बचाता है। कूलिंग खराब हो तो परफॉर्मेंस गिरती है।क्या करें? कूलेंट लेवल चेक करें। रेडिएटर साफ रखें। ब्रेक्स-क्यों जरूरी? गर्मी में ब्रेक पैड जल्दी घिसते हैं। ब्रेकिंग कमजोर हो सकती है। क्या करें? ब्रेक पैड और ऑयल चेक करें। आवाज या ढीलापन नजरअंदाज न करें। बैटरी-क्यों जरूरी? हाई टेम्परेचर से बैटरी लाइफ घटती है। सेल्फ-स्टार्ट में समस्या हो सकती है। क्या करें? टर्मिनल और चार्जिंग चेक करें। जरूरत हो तो सर्विस कराएं। चेन और स्प्रॉकेट- क्यों जरूरी? गर्मी और धूल से चेन सूखती है। राइडिंग स्मूदनेस प्रभावित होती है। क्या करें? चेन क्लीन और लुब्रिकेट करें। एयर फिल्टर- क्यों जरूरी? धूल से जल्दी गंदा हो जाता है। इंजन पर अतिरिक्त लोड पड़ता है। क्या करें? समय-समय पर साफ करें। जरूरत हो तो बदलें। स्पार्क प्लग-क्यों जरूरी? इंजन स्टार्ट और परफॉर्मेंस से जुड़ा होता है। खराब प्लग से मिसफायरिंग होती है। क्या करें? प्लग की कंडीशन चेक करें। जरूरत हो तो बदलें। क्लच और एक्सिलरेटर केबल क्यों जरूरी? गर्मी में केबल टाइट या जाम हो सकती है।कंट्रोल प्रभावित होता है। क्या करें? स्मूद मूवमेंट चेक करें। जरूरत हो तो ऑयलिंग करें। गर्मियों में बाइक चलाने के लिए सुबह और शाम का समय सबसे सुरक्षित माना जाता है। इस समय तापमान थोड़ा कम होता है और धूप का असर भी कम रहता है। दोपहर (12 से 3 बजे) के समय तेज गर्मी और लू के कारण बाइक चलाना रिस्की हो सकता है। इसलिए बहुत जरूरी न हो तो दोपहर में न चलाएं।

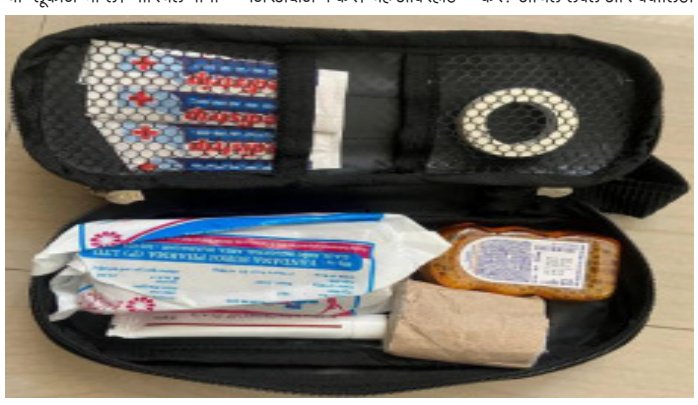

अंगकृष रघुवंशी का विवादित रनआउट,लखनऊ घर में आठवां मैच हारी,शमी के सिक्स से मैच टाई हुआ, रिंकू के लगातार 4 सिक्स-मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 38वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को सुपर ओवर में हराया। रविवार को अंगकृष रघुवंशी फील्डिंग में रुकावट डालने पर रनआउट दिए गए। रिंकू सिंह ने आखिरी ओवर में लगातार 4 सिक्स लगाए। उन्होंने 5 कैच भी लपके। मोहम्मद शमी ने आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर मैच टाई कराया। 1. लखनऊ लगातार आठवां मैच हारी-आईपीएल में होम ग्राउंड पर लगातार हार के मामले में लखनऊ सुपर जायंट्स अब टॉप लिस्ट में शामिल हो गई है। टीम को लखनऊ में लगातार 8वीं हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह इस अनचाहे रिकॉर्ड में डेक्कन चार्जर्स के बराबर पहुंच गई। इस लिस्ट में सबसे ऊपर दिल्ली है, जिन्हें अपने घरेलू मैदान पर लगातार 9 मैचों में हार मिली थी। 2. रिंकू आईपीएल में 50प्लस रन और 4प्लस कैच लेने वाले चौथे खिलाड़ी-रिंकू सिंह ने रविवार को में 83 रन और 5 कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। वे ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले जैक कैलिस, रियान पराग और डेरिल मिचेल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। 3. मोहसिन ने सीजन का पहला 5 विकेट हॉल लिया- मोहसिन खान ने कोलकाता के खिलाफ 4 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट लिए। यह इस आईपीएल में किसी भी गेंदबाज का एक मैच में बेस्ट बॉलिंग स्पेल रहा। मोहसिन ने रहाणे, सइफर्ट, ग्रीन और पावेल को आउट किया। दूसरे नंबर पर सीएसके के अकील हुसैन हैं, जिन्होंने एमई के खिलाफ 17 रन देकर 4 विकेट लिए थे। यहां से टॉप-10 मोमेंट्स-1. रघुवंशी फील्डिंग में रुकावट के लिए रनआउट दिए गए-पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर कोलकाता के अंगकृष रघुवंशी अजीबोगरीब तरीके से आउट दिए गए। प्रिंस यादव की गेंद को उन्होंने मिड-ऑन की ओर खेला और रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन बीच में ही वापस लौटना पड़ा। मोहम्मद शमी ने रनआउट के लिए थ्रो किया। रघुवंशी ने क्रीज में पहुंचने की कोशिश में डाइव लगाई, लेकिन वे लाइन से थोड़ा बाहर गेंद की दिशा में चले गए। एलएसजी की अपील पर थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद फैसला दिया कि रघुवंशी ने गेंद की लाइन में आकर फील्डिंग में बाधा डाली, जिसके चलते उन्हें ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड आउट करार दिया गया। इससे पहले युसुफ पठान, अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा को भी इस नियम के तहत आउट दिया जा चुका है। 2. रिंकू ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की- कोलकाता की पारी के 19वें ओवर में रिंकू सिंह चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। ओवर की दूसरी गेंद पर शमी ने यॉर्कर डालने की कोशिश की, लेकिन वे लेंथ से चूक गए। रिंकू ने लेग साइड में पीछे हटते हुए एक्स्ट्रा कवर के पास से गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचा दिया। इसी के साथ रिंकू ने 42 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी की। 3. रिंकू ने दिग्वेश को लगातार 4 छक्के मारे-कोलकाता की पारी के आखिरी ओवर में रिंकू सिंह ने दिग्वेश राठी को 4 सिक्स लगा दिए। उन्होंने दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवी गेंद पर छक्के लगाए। दिग्वेश के इस ओवर में 2 वाइड सहित 26 रन बने। 4. पॉवेल ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा-एलएसजी की पारी के दूसरे ओवर में पॉवेल ने डाइव करते हुए शानदार कैच पकड़ा। वैभव अरोड़ा की पहली गेंद पर मिशेल मार्श ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं हुई। मिड-ऑन पर खड़े रोवमैन पॉवेल ने पीछे दौड़ते हुए डाइव लगाया और कैच पकड़ा। हालांकि इस दौरान उन्हें चोट भी लगी। 5. रिंकू ने बाउंड्री लाइन पर छलांग लगाकर कैच लपका-लखनऊ की पारी के दौरान कोलकाता के रिंकू सिंह ने बाउंड्री लाइन पर गजब कैच पकड़ा। 11वें ओवर की दूसरी गेंद कैमरन ग्रीन ने फुल लेंथ डाली। ऐडन मार्करम ने लॉन्ग-ऑफ की दिशा में लॉफ्टेड शॉट खेला। वहां रिंकू सिंह मौजूद थे। उन्होंने बाउंड्री लाइन के बेहद करीब छलांग लगाकर गेंद को पकड़ा, फिर बाउंड्री रोप के बाहर जाने से पहले गेंद को हवा में फेंक दिया और फिर अंदर आकर कैच पूरा किया। मार्करम 31 रन बनाकर आउट हुए। 6. कार्तिक त्यागी ने लगातार दो गेंद नो बॉल डाली-20वें ओवर में एलएसजी को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। कार्तिक त्यागी ने ओवर की दूसरी गेंद नो-बॉल डाल दी, हालांकि इस गेंद पर कोई रन नहीं बना। अगली गेंद फ्री हिट थी, जिसपर फिर कार्तिक त्यागी ने हाईट की नो-बॉल डाल दी। लगातार दो बीमर की वजह से अंपायर ने पहले तो इसे डेंजरस मानते हुए गेंदबाज को ओवर फेंकने से मना कर दिया हालांकि फिर वापस कार्तिक को गेंदबाजी की अनुमति दी। 7. शमी ने छक्का लगा मैच को सुपर ओवर में पहुंचाया-एलएसजी को जीत के लिए आखिरी गेंद पर 7 रन चाहिए थे। कार्तिक त्यागी ने स्टंप पर फुल गेंद डाली, जिसपर मोहम्मद शमी ने लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया। इसी के साथ स्कोर टाई हो गया और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। 8. नरेन ने सुपर ओवर में पूरन-मार्करम को आउट किया-सुपर ओवर में पहले एलएसजी बल्लेबाजी के लिए उतरी। लखनऊ के लिए निकोलस पूरन और ऐडन मार्करम बल्लेबाजी के लिए उतरे, सुनील नरेन गेंदबाजी के लिए आए। पहली गेंद पर ही नरेन ने पूरन को क्लीन बोल्ड कर दिया। तीसरे नंबर पर कप्तान ऋषभ पंत आए, जिन्होंने दूसरी गेंद पर सिंगल लिया। तीसरी गेंद पर छक्का लगाने के चक्कर में मार्करम लॉन्ग ऑफ पर कैच आउट हो गए। 9. पॉवेल और रिंकू का बेहतरीन पार्टनरशिप कैच-सुपर ओवर में नरेन की तीसरी गेंद पर रोवमन पॉवेल और रिंकू सिंह की जोड़ी ने शानदार कैच पकड़ा। ऐडन मार्करम ने लॉन्ग ऑफ पर छक्के के लिए खेला। बाउंड्री लाइन पर खड़े पॉवेल ने रनिंग करते हुए गेंद रिंकू की ओर उछाल दिया। रिंकू ने कैच कंप्लीट कर एलएसजी को सुपर ओवर में 1 रन पर रोक दिया। 10. रिंकू सिंह का विनिंग चौका-मैच में बैट और फिल्डिंग से शानदार परफॉर्मेंस करने वाले रिंकू सिंह सुपर ओवर में बैटिंग के लिए आए। उनके साथ केकेआर के लिए पॉवेल नॉन-स्ट्राइक पर उतरे। रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर ही चौका लगाकर टीम को मैच जीता दिया।

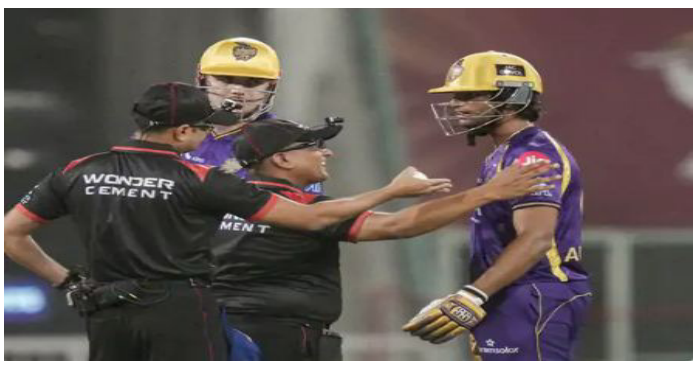

आईपीएल-संजू के 5 हजार रन पूरे, तीसरे सबसे तेज बैटर,चेन्नई की दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी, रबाडा इस सीजन पावरप्ले के बेस्ट बॉलर-मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

नयी दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। संजू सैमसन ने आईपीएल में 5 हजार रन पूरे किए। वे ऐसा करने वाले तीसरे सबसे तेज प्लेयर बने। रविवार को चेन्नई ने आईपीएल में अपनी दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी बनाई। गुजरात के कगिसो रबाडा इस सीजन पावरप्ले के बेस्ट बॉलर बन गए। मैच में दौरान अकील हुसैन और ऋतुराज गायकवाड को चोट लगी। मैच के टॉप रिकॉर्ड्स और मोमेंट्स-संजू सैमसन ने आईपीएल में अपने 5 हजार रन पूरे कर लिए। सीएसके के खिलाफ उन्होंने 3,555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की और 5 हजार बनाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बने। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स नंबर 1 पर हैं। 2. रबाडा ने इस सीजन पावरप्ले में 9 विकेट लिए-कगिसो रबाडा ने चेन्नई के खिलाफ 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। इसमें दो विकेट पावरप्ले में आए। रबाडा इस सीजन पावरप्ले में 9 विकेट ले चुके हैं, जो सबसे ज्यादा हैं। उनेक बाद जोफ्रा आर्चर हैं, जिनके नाम 8 विकेट हैं। 3. चेन्नई ने 12वें ओवर में 50 रन पूरे किए-गुजरात के खिलाफ चेन्नई ने 50 रन बनाने में 12 ओवर लगा दिए। यह आईपीएल इतिहास में टीम की दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी है। सबसे धीमी टीम फिफ्टी आरसीबी के खिलाफ 2011 में आई थी। टीम ने तब 12.1 ओवर में 50 रन पूरे किए थे। 4. ऋतुराज ने 49 गेंद पर फिफ्टी लगाई-ऋतुराज गायकवाड ने 49 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह सीएसके के लिए संयुक्त रुप से चौथी सबसे धीमी फिफ्टी है। टीम के लिए सबसे धीमी फिफ्टी पार्थिव पटेल ने 2010 में पंजाब किंग्स के खिलाफ बनाई थी। उन्होंने इसके लिए 53 बॉल खेली थी। मैच के टॉप-6 मोमेंट्स-1. दुबे को 3 जीवनदान मिले- शिवम दुबे के 3 कैच छूटे। पहला कैच 11वें ओवर की पहली गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर छोड़ा। तब शिवम 6 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद 15वें ओवर में राशिद खान की गेंद पर साई सुदर्शन से एक मुश्किल कैच छूटा। अगले ओवर की पहली ही गेंद पर सिराज के हाथों से आसान कैच छिटक गया। 2. राशिद ने ओवर में 21 रन दिए, फिर बॉलिंग नहीं मिली- राशिद खान को सीएसके के खिलाफ 14 ओवर तक गेंदबाजी नहीं मिली। 15वें ओवर में वे पहली बार गेंदबाजी के लिए उतरे। इस ओवर में शिवम दुबे और ऋतुराज गायकवाड ने मिलकर 21 रन जड़ दिए। यह इस मैच में राशिद का आखिरी ओवर साबित हुआ। ऐसा पहली बार हुआ जब राशिद किसी आईपीएल मैच में एक ही ओवर फेंक पाए। 3. राशिद-सुथार के बीच कन्फ्यूजन से कैच छूटा-चेन्नई की पारी के 18वें ओवर में एक हैरान करने वाला पल दिखा। रबाडा ने ओवर की दूसरी गेंद शॉर्ट फेंकी, जिसपर कार्तिक शर्मा ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप स्क्वेयर लेग पर गई। मानव सुथार और राशिद खान दोनों कैच के लिए दौड़े, लेकिन किसी ने भी कॉल नहीं किया। गेंद उनके सामने गिरकर बाउंड्री के पार चली गई। 4. अरशद लगातार दो बार रन-अप पर गिरे-पहली पारी के 19वें ओवर में अरशद खान गेंदबाजी के दौरान परेशानी में नजर आए। तीसरी गेंद फेंकने के दौरान अरशद लगातार दो बार रन-अप पर गिर गए। इसके बाद फिजियो ने आकर उन्हें चेक किया और खेल दोबारा शुरू हुआ। 5. अरशद की गेंद ऋतुराज की बांह पर लगी-चेन्नई की पारी के दौरान अरशद की गेंद ऋतुराज की बांह पर जा लगी। 13वें ओवर की पहली गेंद अरशद ने शॉर्ट डाली। ऋतुराज ने क्रीज से आगे निकलकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे उनके हाथ पर जा लगी। इसके बाद गायकवाड दर्द में नजर आए और फिजियो को मैदान पर आना पड़ा। 6. कैच लेने के दौरान अकील को चोट लगी-गुजरात की पारी के दौरान फील्डर अकील हुसैन कैच पकड़ने के दौरान चोटिल हो गए। 6वें ओवर की दूसरी गेंद अंशुल कंबोज ने शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ डाली। अकील ने दौड़कर कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छिटक गई। इस दौरान वे दाएं गाल के बल जमीन से टकराए। वे दर्द में नजर आए, जिसके बाद फिजियो ने आकर उन्हें चेक किया।

दिमाग के सोचने का ढर्रा- जो हुआ ही नहीं, उसे भी सच मानता है, तो सावधान! यह आदत बन सकता है

लंदन। स्कूल गए बच्चों के आने में थोड़ी देरी हो, तो दुर्घटना या अन्य कोई अनहोनी के बारे में सोचकर परेशान होना या जीवन साथी के घर लौटने में देर होने पर सीधे बड़े हादसे की तस्वीर बना लेना। इस तरह की सोच का पैटर्न बहुत लोगों में दिखता है।विशेषज्ञ इसे 'विनाशकारी सोच' कहते हैं। पेगासस साइकियाट्री एसोसिएट्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. टॉम जौब्लर के मुताबिक यह एक मानसिक प्रक्रिया है, लेकिन यह तब समस्या बन जाती है, जब दिमाग हर स्थिति को खतरे की तरह पढ़ने लगे। मनोवैज्ञानिक इसे सोच की गड़बड़ी (कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन) बताते हैं। इसमें व्यक्ति खतरे के अनुपात से कहीं ज्यादा बुरा नतीजा मान लेता है। बार-बार ऐसा होने पर दिमाग को लगता है कि वह हमेशा संकट में है। डॉ. जौब्लर कहते हैं, कभी-कभी सबसे बुरा सोच लेना सामान्य है, क्योंकि दिमाग 'सबसे खराब' की ओर जल्दी जाता है। कई बार यह खुद को निराशा, अस्वीकृति, परित्याग, असफलता से बचाने की कोशिश भी होती है। कुछ लोगों में यह आदत बचपन से सीख के रूप में बैठ जाती है।' यह समस्या गहरी हो जाए तो इससे मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। अवसर देखने की क्षमता घटती है। कई बार यह आत्मघाती कदम उठाने की ओर ले जाता है। वैंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक प्रो. ब्रूम्मी ओलातुंजी बताती हैं कि सही तकनीक से इस विनाशकारी सोच से उबर सकते हैं। सोचें कि ऐसे फालूत विचार क्यों या जरूरी नहीं कि ये सच हो।डॉ. जौब्लर के अनुसार आदतन विनाशकारी सोचने वाले व्यक्ति की 'खतरा पकड़ने वाली प्रणाली' लगभग हर चीज के प्रति संवेदनशील हो जाती है। नतीजा यह होता है कि हर बात में डर दिखता है। उदाहरण के तौर पर एक छात्र परीक्षा में फेल होने की आशंका से सोचता है कि यूनिवर्सिटी नहीं मिलेगी, जीवन बेकार हो जाएगा। इसी डर में वह परीक्षा ही छोड़ देता है। यानी डर के कारण उठाया गया कदम वही नतीजा पैदा कर देता है, जिससे आप डर रहे थे। विशेषज्ञ कहते हैं इसका समाधान यह है कि परीक्षा की तैयारी करने में जुट जाएं।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गईं, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई।

तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

तरीका कोई भी हो आप उसे सही या गलत नहीं बता सकतें

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क वेः एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करने वेः लिए यहां दबाएं।' विस्यमकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

उम्मीद व्यावहारिकता लाभ और कोशिश

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ...और गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पूल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है। कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है।इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग वेः स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझकेः पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने वेः सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

बॉन्डिंग के बहुत-से तरीके खत्म हो रहे हैं, हैंडशेक उनमें से एक है

सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर मैंने तीन अलग-अलग ग्रुप देखे। एक छोटा और दो बड़े थे। उनमें से एक बड़ा ग्रुप मेरी ही फ्लाइट में था। वे बोर्डिंग गेट पर जुटने लगे और आपस में आईपीएल क्रिकेटर्स की तरह फिस्ट बंप से विश कर रहे थे। सभी एक सर्कल में खड़े हो गए और जब कोई दूर से उन्हें ग्रीट करता तो हाथ सीने पर रख लेते। कुछ नमस्ते करते तो जवाब भी नमस्ते से मिलता, लेकिन साथ में हाथ भी हिलाया जा रहा था। लोग दूर से ही अपने दोस्तों को पहचान कर सर्कल में उनके पास आकर खड़े हो जाते और फिर जो हुआ, उसने मुझे चौंका दिया। वहां हर तरफ 'एल्बो बंप' दिख रहा था, जबकि कोविड में भी बचा रहा हैंडशेक सर्कल से बाहर बेबस-सा खड़ा था। व्हीलचेयर पर बैठे एक व्यक्ति समेत 35 लोगों के ग्रुप में एक भी हैंडशेक नहीं हुआ। इससे मुझे लगा कि हैंडशेक अब खत्म होने वाला है। पारंपरिक हैंडशेक में पहले ही काफी गिरावट आ रही है। रिसर्च बताती है कि हर चार में से एक जेन-जी टीनेजर सोशल एंग्जायटी और डिजिटल कम्युनिकेशन को प्राथमिकता देने के कारण अजनबियों से हाथ मिलाने से बचता है। डेटा बताता है कि अब सोशल एंग्जायटी और झिझक इसके मुख्य कारण हैं। 14-29 साल के 75फीसदी युवा मानते हैं कि उन्हें आमने-सामने बातचीत में मुश्किल होती है। युवा आज हैंडशेक को सख्त, थोड़ा अजीब और पुराने दौर का मानने लगे हैं। सामाजिक नियमों के कम्फर्ट और डिजिटल-फर्स्ट कम्युनिकेशन की ओर बढ़ने के साथ ही ग्रीट करने के नए तरीकों ने हैंडशेक को किनारे कर दिया है। तो अब क्या लोकप्रिय हो रहा है? ये तरीके हैं- फिस्ट बंप, हैंड क्लैप, हाई फाइव, वेव, 'हाय' बोल कर मौखिक अभिवादन या महज सिर हिला देना- खासकर जब लोग पहले से एक-दूसरे के साथ सहज हों। जहां 75फीसदी पैरेंट्स चिंतित हैं कि उनके बच्चे व्यक्तिगत जुड़ाव की क्षमता खो रहे हैं, वहीं यह बदलाव ज्यादा अनौपचारिक, कम जर्म-सेंसिटिव और कम एंग्जायटी वाले तरीकों से जुड़ा प्रतीत होता है। मुझे याद है कि हमारे कॉलेज में हैंडशेक क्लास होती थी। हमें 'परफेक्ट' हैंडशेक के नियम सिखाए गए थे। उन दस में से तीन प्रमुख नियम ये थे। 'डिग्री ऑफ प्रेशर' महत्वपूर्ण है। इसे 'गोल्डीलॉक्स' कहते हैं- मजबूत, किन्तु हल्के दबाव वाली पकड़। ढीला हाथ कमजोर, अविश्वसनीय या आलसी चरित्र का संकेत माना जाता था। सख्त हायरार्की (कौन शुरुआत करता है?): आप किसी को भी अपना हाथ नहीं दे सकते। एक सख्त 'टॉप-डाउन' प्रोटोकॉल था। जेंडर फर्स्ट: पुरुष कभी महिला की ओर पहले हाथ नहीं बढ़ाता। उसे इंतजार करना होता था कि महिला हाथ बढ़ाए। अगर वे नहीं बढ़ातीं, तो वह बस झुक जाता। रैंक और उम्रः आयु में छोटा व्यक्ति इंतजार करता था कि बड़ा शुरू करें। सामाजिक तौर पर 'इंफीरियर' अपने 'सुपीरियर' का इंतजार करता था। ऊंचे दर्जे के व्यक्ति की ओर पहले हाथ बढ़ाने को 'जबरन पहल करना' मानते थे। बॉडी लैंग्वेज पर फोकसः एक 'परफेक्ट' हैंडशेक में सही आई-कॉन्टैक्ट शामिल है। नजरें चुराना संदिग्ध माना जाता था। फिर अकसर हाथ मिलाने के साथ सिर या शरीर के ऊपरी हिस्से को सम्मानजनक तरीके से थोड़ा झुकाया जाता था। बायां हाथ साइड में रहता था। हैंडशेक अकेला खत्म नहीं हो रहा है। इसके साथ 'थैंक यू नोट लिखना' या 'फोन कॉल करना' या फिर 'बिना इमोजी के एक पत्र लिखना' भी शामिल हैं। फंडा यह है कि इंसान अभी भी स्पर्श करने वाले प्राणी हैं। सही प्रकार से किया गया फिजिकल टच ऑक्सीटोसिन रिलीज करता है और ऐसा भरोसा बनाता है, जिसे शब्द नहीं बना सकते। हालांकि, हैंडशेक 'डिफॉल्ट ग्रीटिंग' का दर्जा खो चुका है। तो क्या हमें इसका शोक संदेश लिखना चाहिए, या इसे री-इन्वेंट करना चाहिए। अपने विचार लिखें। एन. रघुरामन

रिश्तों में बेवजह की मदद एहसान नहीं, अहसास होती है

इस रविवार को जरा सोचिए कि कितनी बार मां ने अपनी दोस्त के हाथों आपका पसंदीदा अचार भेजने की पेशकश की होगी? आपको मना करने का अपना तर्क भी याद होगा, 'मां, मैं यहां इसे शिपिंग खर्च से भी सस्ते में खरीद सकता हूं। और प्लीज, अपनी दोस्त को मेरे ऑफिस मत भेजा करो, वे पूरा माहौल स्कैन करती हैं।' यदि आपने मां का चेहरा देखा होता तो उनकी चमक कम होती दिखती। फोन रखने पर भी वे उदास रहती हैं। धीरे से कहती हैं, 'बहुत बदल गया।' फिर अपने आराध्य से आपको सेहतमंद रखने की प्रार्थना करती हैं। वह जार किनारे रख कर उम्मीद करती हैं कि किसी चमत्कार से यह आप तक पहुंच जाए। पिताजी आकर कहते हैं, 'फिर मना कर दिया? मुंबई में सब कुछ मिलता है।' वह साड़ी से मुंह पोंछते हुए खराब तेल और कीटनाशकों की बात कहती हैं। किसी को अहसास नहीं होता कि वे आंसू भी पोंछ रही थीं। आपको अंदाजा नहीं कि उस इनकार की कीमत क्या है। उनके इस भाव पर इनकार से आप महज खाना ही नहीं, बल्कि उनकी अहमियत को भी ठुकराते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी जरूरत नहीं रही, वह दूर हो गई हैं। उनके लिए भावनाओं की यह दूरी किलोमीटरों की दूरी से कहीं ज्यादा है। उन्हें वो दो दशक याद आते हैं, जब आप उनके बिना खाना नहीं खाते थे। वो बच्चा उनका खाना मांगता था, आज का आदमी बोलता है- 'मैं मैनेज कर लूंगा'। वह अचार आपके कहने पर नहीं, बल्कि अपनी अहमियत के अहसास के लिए भेजती हैं। और आपका प्रत्येक 'मैं मैनेज कर लूंगा' इस अहसास को कम करता है। बात ऑर्गेनिक नींबू की नहीं, बल्कि आपके जीवन में उनकी भूमिका की है। अपनी जो दोस्त वो भेज रही थीं, जिसे आप नपसंद करते हैं- उनके लिए महाभारत की 'संजय' हैं। वही उन्हें सटीकता से वो सब बताएंगी, जो मां आपके बारे में जानना चाहती हैं। शायद वो ये भी पूछ लें कि 'वहां उसके लिए कोई अच्छी लड़की दिखी क्या?'मैंने यह बात देर से समझी, तो मेरी गलती मत दोहराइए। छोटी-छोटी मदद स्वीकार करना आपकी जरूरतों से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि प्रियजनों को उनकी अहमियत का अहसास कराना है। मां आपके ऑफिस या डेटिंग रिजेक्शन के तनाव कम नहीं कर सकतीं, लेकिन वह जानती हैं कि उनका खाना आपको थोड़ी राहत जरूर देगा।

इजराइल में नेतन्याहू को हटाने एकजुट हुए दो पूर्व प्रधानमंत्री,अपनी पार्टी का विलय करेंगे

तेल अवीव।इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और

येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है। दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी। अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम 'टुगेदर' रखा गया है। इसकी अगुवाई बेनेट करेंगे। वे ही पीएम उम्मीदवार भी होंगे। इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं। 2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी। हालांकि यह सरकार बहुत कम बहुमत पर टिकी थी। इसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी, मध्यमार्गी और एक अरब पार्टी शामिल थी।

इनकी अलग-अलग विचारधारा वाली इन पार्टियों में सुरक्षा, फिलिस्तीन और बस्तियों जैसे मुद्दों पर सबकी सोच अलग थी, जिससे बार-बार टकराव होता रहा। आखिरकार हालात ऐसे बन गए कि सरकार चलाना मुश्किल हो गया। तब बेनेट और लैपिड ने संसद भंग करने का फैसला किया और नए चुनाव कराए गए। इसमें नेतन्याहू की जीत हुई और वे फिर से सत्ता में लौट आए। तब से लैपिड विपक्ष के नेता हैं, जबकि बेनेट कुछ समय के लिए राजनीति से दूर हो गए थे। उनकी पार्टी यमीना ने भी चुनाव नहीं लड़ा था। लैपिड की पार्टी का कहना है कि इस कदम का मकसद विपक्ष को

एकजुट करना, आपसी झगड़ों को खत्म करना और आने वाले अहम चुनाव जीतने पर पूरा ध्यान लगाना है। बेनेट-लैपिड की सोच अलग-अलग बेनेट की छवि एक कट्टरपंथी यहूदी राष्ट्रवादी नेता की रही है। वे लंबे समय से दक्षिणपंथी राजनीति से जुड़े रहे हैं और फिलिस्तीन मुद्दे पर उनका रुख काफी सख्त माना जाता है। वे वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों के समर्थक रहे हैं और फिलिस्तीनी राज्य बनाने के विचार के खिलाफ भी रहे हैं। उनका मानना रहा है कि इजराइल की सुरक्षा सबसे ऊपर है और इस मामले में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। इसके उलट, लैपिड को एक धर्मनिरपेक्ष और उदार सोच वाला नेता माना जाता है। उनकी राजनीति ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित मानी जाती है। वे शहरी मध्यम वर्ग, प्रोफेशनल लोगों और उदार विचारधारा वाले मतदाताओं में काफी लोकप्रिय हैं। लैपिड के लिए यह गठबंधन बहुत अहम माना जा रहा है। उनकी पार्टी येश अतीद इस समय विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है और संसद में 24 सीटें हैं, लेकिन हाल के सर्वे बताते हैं कि अगली बार यह घटकर सिर्फ 5 सीटें रह सकती हैं। ऐसे में बेनेट के साथ आने से उनकी स्थिति मजबूत हो सकती है। दूसरी तरफ बेनेट के लिए भी यह गठबंधन जरूरी था।

एक्सपर्ट का मानना है कि पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ गादी आइजनकोट के आने से पूरा समीकरण बदल गया है। वे इजराइल की सेना के पूर्व चीफ रह चुके हैं। सेना से रिटायर होने के बाद 2022 में वे राजनीति में आए और बेनी गैंट्ज की नेशनल यूनिटी पार्टी जुड़े थे, लेकिन अब वे अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आइजनकोट की मजबूत छवि और लोकप्रियता की वजह से वे बेनेट के वोट बैंक में सेंध लगा रहे थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुरक्षा और सेना के मुद्दों को अहम मानने वाले वोटर अब आइजनकोट की तरफ जा रहे हैं। ऐसे में बेनेट के पास केंद्र की राजनीति छोड़कर लैपिड के साथ आने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं बचा था। बेनेट ने गादी आइजनकोट को भी इस गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि अभी भी आइजनकोट ने इसका कोई जवाब नहीं दिया है। इस गठबंधन से बेनेट को आर्थिक फायदा भी होगा। इजराइल में पार्टियों को मिलने वाला सरकारी फंड उनकी संसद में सीटों के आधार पर तय होता है। बेनेट की पार्टी को जहां करीब 11 मिलियन शेकेल मिलते, वहीं लैपिड की पार्टी को 27 मिलियन शेकेल मिलते हैं, क्योंकि उनके पास ज्यादा सीटें हैं।इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। कुछ सर्वे बताते हैं कि अगर बेनेट, लैपिड और आइजनकोट तीनों साथ चुनाव लड़ें, तो उन्हें करीब 38 सीटें मिल सकती हैं और वे सबसे बड़ा दल बन सकते हैं। लेकिन इससे दोनों खेमों की कुल ताकत में बहुत बड़ा बदलाव नहीं होगा।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गठबंधन का सबसे बड़ा असर मनोवैज्ञानिक हो सकता है। अगर लोगों को लगे कि विपक्ष एकजुट है और मजबूत है, तो ज्यादा वोटर वोट डालने के लिए बाहर आ सकते हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इन सबमें सबसे बड़ा फैक्टर अब भी गादी आइजनकोट हैं। अगर वे इस गठबंधन में शामिल होते हैं तो विपक्ष और मजबूत हो सकता है। लेकिन अगर वे अलग चुनाव लड़ते हैं, तो वे दक्षिणपंथी वोटरों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं, जो लैपिड के साथ नहीं जाना चाहते।

दावा- ब्रिटेन ने जंग में साथ नहीं दिया, ट्रम्प नाराज,ब्रिटेन के कब्जे वाले फॉकलैंड द्वीप पर अर्जेंटीना का साथ दे सकते हैं

अर्जेंटीना। ब्रिटेन और स्पेन ने नाटो से जुड़ी एक अमेरिकी रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। इसमें कहा गया था कि ट्रम्प सरकार इन दोनों देशों को सजा देने पर विचार कर रही हैं। इसकी वजह ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका का खुलकर साथ नहीं देना है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन के भीतर अधिकारियों के बीच एक ईमेल के जरिए बातचीत हुई, जिसमें अलग-अलग संभावित कदमों (ऑप्शन्स) पर विचार किया जा रहा था। जैसे कि विरोधी माने जा रहे देशों को नाटो के अहम पदों से हटाना, स्पेन जैसे देश को गठबंधन में उसकी भूमिका को सीमित करना और ब्रिटेन के फॉकलैंड द्वीप पर दावे को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा करना। हालांकि पेंटागन ने इस ईमेल पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी और यह ईमेल सार्वजनिक रूप से भी सामने नहीं आया है।शुरूआत में ब्रिटेन ने एयरबेस देने से इनकार किया था। ईरान पर हमलों के दौरान ट्रम्प और स्टार्मर के बीच तनाव देखने को मिला था। शुरुआत में ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी थी। बाद में ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद ब्रिटेन ने कुछ एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत दी, ताकि होर्मुज या ब्रिटिश ठिकानों को खतरा पैदा करने वाले ईरानी ठिकानों पर हमला किया जा सके। हालांकि फिर ट्रम्प इससे खुश नहीं हुए। दूसरी तरफ अर्जेंटीना में इस खबर को लेकर खुशी का माहौल है। सरकार के प्रवक्ता जेवियर लानारी ने कहा कि उनका देश 'माल्विनास' को वापस पाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ट्रम्प के करीबी माने जाते हैं। मिलेई ने भी कहा कि इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। फॉकलैंड को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन में विवाद-फॉकलैंड द्वीप का मामला ब्रिटेन और अर्जेंटीना दोनों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। दोनों देश इस पर दावा करते हैं। अर्जेंटीना इस द्वीप को माल्विनास कहता है। फॉकलैंड दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित हैं और अर्जेंटीना से सिर्फ 500 किमी दूर है। वहीं ब्रिटेन से यह 13,000 किमी दूर स्थित है। अर्जेंटीना ऐतिहासिक रूप से इस द्वीप को अपना बताता आया है। अर्जेंटीना का कहना है कि ये द्वीप उसके पास होने चाहिए, क्योंकि ये उसके इलाके के करीब हैं। वहीं ब्रिटेन कहता है कि वहां रहने वाले लोग खुद को ब्रिटिश मानते हैं और उन्होंने वोट करके भी ब्रिटेन के साथ रहने की इच्छा जताई है, इसलिए यह उसका क्षेत्र है। 1982 में अर्जेंटीना ने इन द्वीपों पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद ब्रिटेन की तत्कालीन प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर ने सेना भेजकर सिर्फ 10 हफ्ते में इन्हें वापस हासिल किया था। अर्जेंटीना के आत्मसमर्पण करने से पहले लगभग 650 अर्जेंटीनाई सैनिक और 255 ब्रिटिश सैनिक मारे गए थे। अब लीक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, फॉकलैंड द्वीप को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा कर सकता है। दरअसल, जब 1982 में फॉकलैंड युद्ध शुरू हुआ तब अमेरिका ने खुद को बीच में रखने की कोशिश की। अमेरिका चाहता था कि ब्रिटेन और अर्जेंटीना आपस में बात करके मामला सुलझाएं, क्योंकि दोनों ही उसके सहयोगी थे। लेकिन जब बातचीत से हल नहीं निकला, तो अमेरिका ब्रिटेन के पक्ष में आ गया। अमेरिका ने ब्रिटेन को खुफिया जानकारी, सैन्य सपोर्ट और लॉजिस्टिक मदद दी। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन थे और उन्होंने ब्रिटेन की प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर का साथ दिया। अमेरिका आधिकारिक तौर पर साफ-साफ नहीं कहता कि फॉकलैंड किसका है, लेकिन व्यवहार में वह ब्रिटेन के बहुत करीब है और उसे अपना अहम सहयोगी मानता है। हाल के समय में ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका, ब्रिटेन पर दबाव डालने के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल कर सकता है।

स्पेन बोला- ईमेल के आधार पर फैसले नहीं लेते-वहीं, स्पेन ने भी अमेरिका के रुख का विरोध किया है। प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने कहा कि वे किसी ईमेल के आधार पर काम नहीं करते, बल्कि आधिकारिक दस्तावेजों और नीतियों के आधार पर फैसले लेते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि स्पेन अपने सहयोगियों के साथ रहेगा, लेकिन हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में। नाटो के एक अधिकारी ने भी कहा कि संगठन के नियमों में किसी सदस्य देश को सस्पेंड या बाहर करने का प्रावधान ही नहीं है, इसलिए स्पेन को हटाना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं लगता।

हमले की आशंका में खामेनेई का अंतिम संस्कार रोका,भोपाल में ईरान के प्रतिनिधि का दावा,बातचीत से पीछे हटने का आरोप

भोपाल। ईरान के सुप्रीम

लीडर के अंतिम संस्कार में देरी को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि मौलाना डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने रविवार को भोपाल में कहा कि सुरक्षा खतरे के कारण अंतिम संस्कार अभी तक नहीं किया गया है। उन्होंने आशंका जताई कि अगर लाखों लोग जुटते हैं तो उन पर हमला हो सकता है। मौलाना डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि सुप्रीम लीडर का अंतिम संस्कार इसलिए टाला गया है क्योंकि हालात पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यदि अंतिम संस्कार आयोजित होता है तो ईरान के शहर मशहद में 2 करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। इतनी बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं, तो उन पर हमला किया जा सकता है। लेबनान में एक दिन में दो हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। वैसी स्थिति दोबारा बन सकती है। इसलिए हम हालात पूरी तरह शांत और सुरक्षित होने का

इंतजार कर रहे हैं। मौलाना डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही भोपाल में कोहेफिजा स्थित एमआईजी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार को आयोजित 'इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन जलसा' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मौलाना इलाही ने कहा कि यह युद्ध ईरान ने नहीं छेड़ा, बल्कि यह डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की निजी जंग है। इससे न अमेरिका को फायदा है, न इजराइल को।

ईरान ने कभी युद्ध नहीं चाहा। हमने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर युद्ध हुआ तो इसका असर कई देशों पर पड़ेगा। हमने बातचीत की कोशिश की, लेकिन उन्होंने ही हमला किया। ईरान के पास 5,000 साल से अधिक की सभ्यता है, बहुत अच्छे लोग हैं, कारखाने हैं और सब कुछ है। लेकिन दुर्भाग्य से 147 साल

पहले से कुछ दूसरे देशों ने ईरान के खिलाफ बहुत सारे प्रतिबंध, आर्थिक प्रतिबंध बनाए। 3 दिन में ईरान गिराने की योजना थी, अमेरिकी भी इस युद्ध के खिलाफ-मौलाना इलाही ने दावा किया कि अमेरिका को भरोसा था कि वह तीन दिनों में ईरान की सरकार गिरा सकता है। युद्ध के बाद ईरान का नक्शा बदलने की बात कही गई थी। ईरान को पांच हिस्सों में बांटने की योजना थी। युद्ध में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। 1 लाख से अधिक घर तबाह, कई अस्पताल, विश्वविद्यालय और प्रयोगशालाएं नष्ट, कई कारखाने क्षतिग्रस्त, बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत हुई है। अब ईरान अपने घायलों के इलाज के लिए भारत से दवाइयां खरीद रहा है। अमेरिकियों को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं है, अमेरिकी सीनेटरों ने इस युद्ध की निंदा की है। आप न्यूयॉर्क के मेयर के बयान पर जाइए, जो मूल रूप से भारतीय हैं। अमेरिकी थोंपने लगे थे अपनी शर्तें, इसलिए विफल हुई वार्ता-मौलाना इलाही ने बताया कि ईरान ने कभी भी किसी देश से यह नहीं कहा कि वह ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ बने। कोई ईरान नहीं गया, कोई ईरान से नहीं आया। बल्कि, कुछ देश अपनी मर्जी से आगे आए और उन्होंने हमारे और अमेरिका के बीच बातचीत की पहल कर दी। ओमान और जिनेवा में बातचीत शुरू हुई थी और शुरुआती संकेत सकारात्मक थे। पहले अमेरिका ने 15-सूत्रीय प्रस्ताव दिया, जिसे ईरान ने खारिज किया। इसके बाद ईरान ने 10-सूत्रीय प्रस्ताव रखा, जिसे अमेरिका ने स्वीकार कर लिया। लेकिन अंतिम दौर में अमेरिका ने नई और असामान्य शर्तें रख दीं। उन्होंने कहा, जब यह साफ हो गया कि वे अपनी बात से पीछे हट रहे हैं, तो बातचीत विफल हो गई। होर्मुज अस्थायी रूप से बंद, लेकिन जल्द ही खुल जाएगा भारतीय जहाजों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच मौलाना डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के पीछे सुरक्षा ही सबसे बड़ा कारण है। जब कुछ अन्य देश इस जलडमरूमध्य के रास्ते अपने युद्धपोत भेजना चाहते थे, तब ईरान को यह कदम उठाना पड़ा। यह कदम किसी एक देश के खिलाफ नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया था। उन्होंने विश्वास जताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पहले की तरह सभी देशों के लिए खुल जाएगा, जैसा कि 28 फरवरी से पहले था। यह रोक अस्थायी है और जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। मौलाना इलाही ने युद्ध के असर को लेकर एक भावुक घटना भी साझा की। उन्होंने बताया कि एक कार्यक्रम के दौरान तीन साल की बच्ची रोते हुए उनके पास आई और अपनी सोने की बाली उतारकर दे दी। बच्ची ने कहा, मैंने सुना है लड़कियों के स्कूल पर बमबारी हुई, कृपया यह ले लो। वह बच्ची यह नहीं जानती थी कि वे बच्चियां अब इस दुनिया में नहीं हैं। मैं भावुक हो गया। बाली वापस करते हुए कहा, यह तुम्हारे लिए उपहार है, और उसकी कीमत का दोगुना देने की बात कही। भारत-ईरान संबंधों पर कहा, ईरान और भारत के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं, बहुत मजबूत हैं। मुझे यकीन है कि ईरान और भारत के बीच संबंध बेहतर हो जाएंगे और विभिन्न पहलुओं शिक्षा, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और अन्य क्षेत्रों में विस्तारित होंगे। हमारा और अधिक संबंध और मित्रता होनी चाहिए। वास्तव में यहां आने से पहले मैंने भारत के बारे में बहुत कुछ सुना और पढ़ा था कि भारतीय बहुत दयालु, वफादार, बुद्धिमान, ईमानदार और उदार होते हैं। लेकिन वह सब केवल किताबी जानकारी थी। जब भारत को अपनी आंखों से देखा तो महसूस किया कि भारत के लोग दूसरों से अलग हैं। उन्होंने अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 75 से अधिक देशों की यात्रा की है। वे विश्वविद्यालयों में व्याख्याता और प्रोफेसर रहे हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के सेमिनारों और सम्मेलनों में व्याख्यान देने के लिए दुनिया भर से आमंत्रित किया गया। उनके अनुसार, इतना बड़ा अनुभव होने के बावजूद उन्होंने जैसी दयालुता, ईमानदारी और मानसिकता भारत में देखी, वैसी किसी और देश में नहीं देखी।

रूस ने दिया 1500 किमी रेंज वाली मिसाइल का ऑफर,अब दुश्मन और अंदर तक मारेंगी भारतीय पनडुब्बियां

मॉस्को। रूस ने भारत को एक बार फिर 3एम-14ई कैलिबर-पीएल मिसाइलों का ऑफर दिया है। कैलिबर-पीएल लैंड अटैक क्रूज मिसाइल सिस्टम है। इसे पनडुब्बियों पर तैनात किया जा सकता है, जिससे इनकी मारक क्षमता काफी बढ़ जाएगी। रूस ने जो नवीनतम प्रस्ताव दिया है, उसके तहत कैलिबर-पीएल लैंड अटैक क्रूज मिसाइल भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों को डीप स्ट्राइक क्षमता प्रदान करेगी। इस मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर तक है। भारतीय पनडुब्बियों में इन्हें तैनात करने के लिए किसी बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होगी, बल्कि मौजूदा 533 एमएम टॉरपीडो ट्यूबों का इस्तेमाल किया जाएगा। पिछले साल की शुरुआत में, रोसोबोरोनएक्सपोर्ट और रूबिन डिजाइन ब्यूरो ने मॉस्को में भारतीय नौसेना के प्रतिनिधिमंडल से

मुलाकात के दौरान इस मिसाइल का ऑफर दिया था। इस दौरान प्रजेंटेशन में इस बात पर जोर दिया गया कि कैलिबर परिवार को एक अलग हथियार के बजाय एक व्यापक मॉड्यूलर सिस्टम के रूप में डिजाइन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिस्टम पारंपरिक पनडुब्बियों में बिना किसी बड़े संरचनात्मक बदलाव के मल्टीरोल स्ट्रैटजिक प्लेटफॉर्म में बदल सकता है। भारत भी स्वदेशी पनडुब्बी-लॉन्च क्रूज मिसाइल प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसे वर्तमान में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन प्रोजेक्ट-75 अल्फा के नाम से विकसित कर रहा है। इसे भविष्य की परमाणु पनडुब्बियों पर तैनात किए जाने की योजना है। हालांकि, इसे पूरी तरह से परिचालन के लिए तैयार होने में लगभग 4-6 वर्ष लगेंगे। ऐसे में, विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय नौसेना के लिए वर्तमान समय में कैलिबर-पीएल एक बेहतरीन विकल्प है, जो तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। कैलिबर-पीएल मिसाइल के बारे में जानेंकैलिबर-पीएल एक रूसी क्रूज मिसाइल है, जिसे 3एम-14ई के नाम से भी जाना जाता है। यह रूस की सबसे घातक और सटीक क्रूज मिसाइलों में से एक है।इस मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी इसकी 1,500 किलोमीटर की 'डीप स्ट्राइक' रेंज है। इसका मतलब है कि इस मिसाइल से लैस पनडुब्बियां समुद्र के बीच से ही दुश्मन के जमीनी ठिकानों (जैसे कमांड सेंटर, एयरबेस या बंदरगाह) को निशाना बना सकती हैं। यह मिसाइल पनडुब्बियों के 533एमएम टॉरपीडो ट्यूब से लॉन्च की जा सकती है। इसके लिए पनडुब्बी के डिजाइन में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। यह मिसाइल सैटेलाइट गाइडेंस और इनर्शियल नेविगेशन का उपयोग करती है, जिससे यह लक्ष्य पर अचूक निशाना लगाती है। यह लगभग 450-500 किलोग्राम का वारहेड ले जाने में सक्षम है।

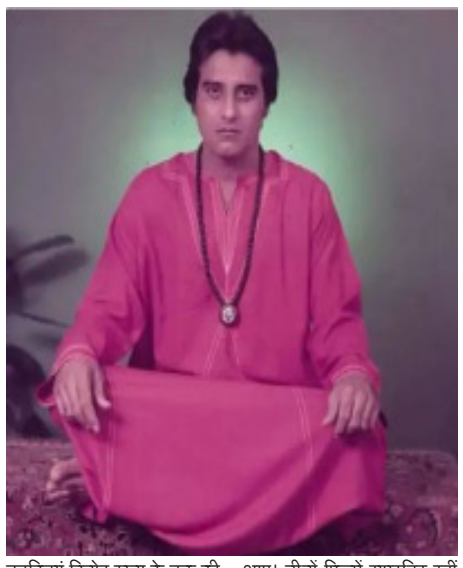

विनोद खन्ना की पुण्यतिथि, पिता ने पिस्तौल तानी,अमिताभ ने फेंका ग्लास तो टांके आए, महेश भट्ट को धमकाया, आखिरी ख्वाहिश थी- पाकिस्तान जाना

मुंबई। लंबी कद-काठी, गोरी रंगत और गहरी आंखें। 18 साल की उम्र में कॉलेज के दिनों में कई

लड़कियां विनोद खन्ना के लुक की तारीफ करती नहीं थकती थीं। सबका एक ही सुझाव था, 'हीरो

जैसे लगते हो, फिल्मों में जाओ', लेकिन विनोद के पिता चाहते थे कि बेटा पढ़ाई पूरी कर खानदानी टेक्सटाइल बिजनेस संभाले। विनोद का बागी रवैया तभी शुरू हो गया था, जब उन्होंने पिता के कहने पर कॉमर्स के बजाय साइंस चुना। एक रोज उनकी कॉलेज पार्टी में कुछ फिल्मी हस्तियां पहुंचीं, जिनमें उस दौर के नामी हीरो सुनील दत्त और उनकी दोस्त अंजू महेंद्रू भी थीं। वो देखना चाहते थे कि टीनएजर्स किस तरह पार्टी करते थे। हर बार की तरह उस पार्टी में भी विनोद ने सबका ध्यान खींच लिया। सुनील दत्त की नजरें भी बार-बार विनोद पर पड़ीं। उस समय सुनील अपने भाई सोम दत्त को लॉन्च करने वाले थे। अगले दिन सुनील दत्त ने विनोद को दफ्तर में बुलाया और फिल्म ऑफर कर दी। कोई भी ये सुनकर बेहद खुश होता, लेकिन विनोद घबराए हुए थे। वो जानते थे पिता कभी राजी नहीं होंगे। उस शाम वो घर पहुंचे और हिम्मत जुटाकर पिता से कहा, 'मुझे फिल्म में काम मिला है।'पिता ने आव देखा न ताव सीधे बंदूक तान दी और कहा- 'अगर फिल्मों में गए तो गोली मार दूंगा।' मां ने किसी तरह पिता को खूब समझाया। आखिरकार पिता का दिल पिघला और उन्होंने शर्त रखी, '2 साल का वक्त दे रहा हूं, फिल्मों में कुछ हुआ तो ठीक वर्ना बिजनेस संभालना।' इस तरह 1968 में विनोद खन्ना का फिल्मों से रिश्ता

जुड़ा, जो उनके निधन तक कायम रहा। 27 अप्रैल 2017 में विनोद खन्ना का 70 साल की उम्र में निधन हुआ था। किस्सा-1-जब अमिताभ ने फेंककर मारा ग्लास, लगाने पड़े टांके- विनोद खन्ना की पहली फिल्म मन का मीत (1968) फ्लॉप रही, लेकिन विनोद खन्ना को इसकी बदौलत कई बड़ी फिल्मों में काम मिलने लगे। 1970 में विनोद राजेश खन्ना के साथ सच्चा झूठा, आन मिलो सजना में और मनोज कुमार के साथ पूरब पश्चिम में नजर आए। तीनों फिल्में सुपरहिट रहीं और विनोद खन्ना को स्टारडम हासिल हो गया। आगे बतौर लीड हीरो मेरे अपने, मेरा गांव मेरा देश, दो यार, हाथ की सफाई, इम्तिहान जैसी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स में शुमार किया। 1977 में विनोद खन्ना को मल्टीस्टारर फिल्म अमर अकबर एंथनी में अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर के साथ कास्ट किया गया। ये उस दौर की अपनी तरह की इकलौती फिल्म थी, जिसमें अमिताभ-विनोद जैसे फिल्म इंडस्ट्री के दो ऐसे स्टार्स थे, जिनके बीच टॉप एक्टर की होड़ मची थी। दोनों में राइवलरी थी। ये फिल्म हिट रही, तो दोनों को फिर मुकद्दर का सिकंदर में साथ कास्ट किया गया। फिल्म के एक सीन के लिए अमिताभ बच्चन को बार में खड़े होकर विनोद पर कांच का ग्लास फेंकना था और विनोद को बचना था। जैसे ही एक्शन बोला गया, अमिताभ ने ग्लास फेंक दिया, लेकिन वो विनोद खन्ना के चेहरे पर लगा। खूब खून बहा और विनोद को टांके लगवाने पड़े। अमिताभ बच्चन ही उन्हें अस्पताल लेकर गए और बाद में घर छोड़ा। घर छोड़ते हुए भी उन्होंने विनोद और पत्नी से माफी मांगी। लोगों का मानना था कि इस हादसे से उनकी गहरी दोस्ती टूट गई और दोनों में कुछ समय के लिए बातचीत बंद हो गई। ओशो के भाई स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि ओशो को लगता था कि विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन से चिढ़ते हैं। उन्होंने विनोद को अमिताभ के खिलाफ चुनाव में खड़े होने का भी सुझाव दिया था।किस्सा-2-परिवार में हो रहीं मौतों से डरे, दोस्त महेश भट्ट के कहने पर ओशो के आश्रम गए- एक दौर में महेश भट्ट और विनोद खन्ना की दोस्ती चर्चा में थी। महेश भट्ट के स्ट्रगल के दिनों में विनोद खन्ना कई बार उनका खर्च भी उठाते थे। 1971 में विनोद ने गीतांजलि से शादी की थी। 1975 में पत्नी ने बेटे अक्षय खन्ना को जन्म दिया। उसी समय 6 महीनों के अंतराल में ही एक-एक कर परिवार में 4 मौतें हो गईं। इसमें उनकी मां कमला खन्ना और एक बहन भी शामिल थीं। ये देखकर

उन्हें मौत का आभास होने लगा। वो डरने लगे कि कहीं उनकी भी मौत न हो जाए। इस समय उन्हें दोस्त महेश भट्ट ने ओशो के आश्रम जाने का सुझाव दिया। कुछ समय के लिए वो पुणे स्थित आश्रम जाकर रहे।1977 में एक दिन विनोद खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इंडस्ट्री छोड़ संन्यासी बनने की घोषणा की। इससे उन्हें फिल्ममेकर्स की आलोचना का

सामना करना पड़ा, क्योंकि उनके पास कई फिल्में थीं। विनोद ने वादा किया कि वो सभी फिल्में पूरी करेंगे। फिल्में पूरी होते ही वो 1981 में यूएसए के ओरेगन स्थित ओशो के आश्रम रजनीशपुरम में जाकर रहने लगे। किस्सा-3-महेश भट्ट ने माला कमोड में फेंकी, तो दी धमकी- विनोद खन्ना के साथ महेश भट्ट भी ओशो के आश्रम गए थे। वहां उन्हें माला पहनाई गई थी, जिसमें ओशो की तस्वीर थी। कुछ दिनों बाद जब महेश भट्ट लौटे, तो उन्होंने वो माला तोड़कर टॉयलेट में फेंक दी। जैसे ही ये बात विनोद को पता चली, वो बहुत गुस्सा हुए। उन्हें एक दिन महेश भट्ट को फिल्मिस्तान स्टूडियो बुलाया और कहा- भगवान तुमसे बहुत नाराज हैं। महेश ने पूछा क्यों, तो जवाब मिला- क्योंकि तुमने माला तोड़ दी और कमोड में फेंक दी। महेश ने फिर कहा- मुझे वो कुत्ते के पट्टे की तरह लगती थी। विनोद ने ये सुनकर कहा- उन्होंने (कथित तौर पर ओशो ने) कहा है कि महेश से कहो कि वो खुद मुझे वो माला लाकर दे। आगे विनोद ने खुसफुसाते हुए कहा- उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया, तो वो तुम्हें बर्बाद कर देंगे।ये किस्सा खुद महेश भट्ट ने अरबाज खान के चैट शो द इन्विन्सिबल विद अरबाज खान में सुनाया था। किस्सा- 4-ओशो के आश्रम में टॉयलेट साफ किए, तंग कमरे में गुजारे कई दिन-विनोद खन्ना आश्रम में ही बने सादा लाल चोंगा पहनते थे, आम लोगों की तरह आश्रम में टॉयलेट साफ करते थे। वहां रहते हुए विनोद खन्ना ने अपना नाम स्वामी विनोद भारती कर लिया था। 1994 में ओशो टाइम्स को दिए इंटरव्यू में विनोद खन्ना ने कहा था-'मेरे अंदर से मौत का डर हटाने के लिए मुझे एक ऐसे कमरे में रखा गया, जहां दो मौतें हुई थीं। वो कमरा इतना छोटा था, जहां पैर भी फैलाए नहीं जा सकते थे। लेकिन वहां शांति थी।' ओशो के घर में जाने की इजाजत किसी को नहीं थी, लेकिन विनोद को वहां माली बना दिया गया, जिससे उन्हें वहीं सोने की भी जगह मिल गई। विनोद और ओशो के कंधों का साइज लगभग एक जैसा था, ऐसे में जब भी ओशो के डिजाइनर उनके नए कपड़े लाते, तो उसका ट्रायल विनोद पर ही किया जाता था।ओशो को ओरेगन से निकाले जाने से ठीक पहले एक कजिन विनोद को 1984 में भारत लाए। जिसके कुछ समय बाद ही ओशो की सेक्रेटरी की गिरफ्तारी हुई और ओरेगन का रजनीशपुरम खत्म हो गया। किस्सा-5- ओशो ने दी आश्रम चलाने की जिम्मेदारी, तो इनकार किया-जब ओशो को विवाद के चलते ओरेगन से भारत लाया गया, तो विनोद खन्ना उनसे मिलने पुणे स्थित आश्रम नहीं गए। कुछ समय बाद ओशो का दिल्ली जाना हुआ, तो विनोद उनसे मिलने पहुंचे। ओशो के कहने पर विनोद खुद ड्राइव कर उन्हें मनाली ले गए, जहां वो कुछ दिन ठहरे। लौटते हुए ओशो ने विनोद खन्ना से कहा- मैं चाहता हूं कि तुम पुणे के आश्रम के इन्चार्ज बनो। विनोद ने जवाब में साफ इनकार कर दिया। उस दिन के बाद विनोद कभी ओशो से नहीं मिले। 5 सालों तक फिल्मों से दूर रहने के बाद विनोद खन्ना ने फिल्म इंसाफ (1987) से हिंदी सिनेमा में कमबैक किया। आगे उनकी फिल्म दयावान भी रिलीज हुई, लेकिन हिट हुई फिल्म सूर्या (1989)। आगे ऋषि कपूर और श्रीदेवी के साथ आई उनकी फिल्म चांदनी ब्लॉकबस्टर रही। बढ़ती उम्र के साथ विनोद खन्ना साइड रोल में नजर आने लगे। आखिरी सालों में उन्होंने वॉन्टेड, दबंग, दबंग 2 और दिलवाले में काम किया है। किस्सा- 6-हाउसपार्टी में मिलीं फ्यूचर वाइफ, डेट पर जाने से किया इनकार-विनोद खन्ना की शादी 1971 में भारत के पहले क्रिकेट कमेंटेटर एएफएस तालेयरखान की बेटी गीतांजलि तालेयर से हुई थी, जिससे उन्हें दो बेटे अक्षय खन्ना और राहुल खन्ना हुए। 1985 में दोनों का तलाक हो गया। आश्रम से लौटने के बाद विनोद ने 43वें बर्थडे की पार्टी रखी। उस पार्टी में उनके कुछ दोस्त कविता दफ्तरी को ले आए। दोस्तों के कहने पर कविता पार्टी में आई थीं। वो बस इतना जानती थीं कि विनोद एक एक्टर हैं। पार्टी में उनकी विनोद से बात नहीं हुई। जाते हुए कविता ने देखा कि विनोद की सीढ़ियां गुलदस्तों से भरी हैं। विनोद बाहर तक छोड़ने आए तो कविता ने कहा- आप इन गुलदस्तों का क्या करेंगे। विनोद ने कहा- मैं इन्हें रखूंगा। कविता ने फिर कहा- इन्हें किसी हॉस्पिटल भेज दीजिए। वर्ना ये मर जाएंगे। जवाब मिला- मेरे फूल कभी नहीं मरते।

अगले दिन विनोद ने कविता का नंबर ढूंढा और कॉल कर डिनर पर चलने को पूछा। कविता ने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि वो दोस्त बन सकती हैं, लेकिन डेट पर नहीं जाना चाहतीं। इनकार के बाद विनोद खन्ना उन्हें मनाने के लिए दिन में 5 बार कॉल करते थे और जवाब हर बार इनकार होता था। हालांकि, वो कॉमन दोस्तों की पार्टी अटेंड करते थे। विनोद ने हार नहीं मानी और रोजाना कॉल करने लगे। एक दिन कविता ने कहा- आप जॉगिंग में साथ चल सकते हैं। अगले दिन वो साथ गए, अगले दिन भी यही हुआ और दोनों रोज साथ जॉगिंग पर जाने लगे। साथ बिताने वाले समय ने दोनों को नजदीक ला दिया। विनोद दूसरी शादी नहीं करना चाहते थे। वहीं दूसरी तरफ कविता के परिवार ने भी उन्हें तलाकशुदा विनोद से दूर रहने का सुझाव दिया था, लेकिन फिर 1990 में दोनों की शादी हुई। कविता तब 28 की और विनोद 44 के थे। इस शादी से उन्हें 2 बच्चे हैं। किस्सा- 7 रोजाना पीते थे 40-50 सिगरेट, 2001 में हुआ लंग कैंसर, आश्रम गए तो हो गए कैंसर फ्री-विनोद खन्ना की पत्नी कविता ने यूट्यूब चैनल पर बताया कि 2001 में एक्टर को लंग कैंसर डिटेक्ट हुआ था। तब वे आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर को फॉलो करते थे। डॉक्टर्स ने उन्हें तुरंत सर्जरी कराने की सलाह दी थी, लेकिन रविशंकर के कहने पर वो ऋषिकेश के आश्रम चले गए। वहां ध्यान और योग करने लगे। कुछ महीनों बाद उन्हें कंधे में तेज दर्द उठा। जब टेस्ट करवाया, तो दर्द की वजह साफ नहीं हुई, लेकिन तब वो कैंसर फ्री हो चुके थे। ये डॉक्टर्स के लिए भी चमत्कार जैसा था। कैंसर डिटेक्ट होने से पहले विनोद खन्ना रोजाना 40-50 सिगरेट पीते थे, लेकिन बाद में उन्होंने स्मोकिंग छोड़ दी। 2010 में एक्टर को ब्लैडर कैंसर हुआ। विनोद और पत्नी ने ये बात राज रखी, जिससे उनकी बेटी पर इसका बुरा असर न पड़े। साल 2018 में विनोद खन्ना का 70 साल की उम्र में निधन हुआ। मौत से पहले वे बेहद कमजोर हो चुके थे। किस्सा-8-आखिरी ख्वाहिश थी पाकिस्तान जाना-विनोद खन्ना का जन्म 6 अक्टूबर 1946 को अविभाजित भारत के पेशावर में हुआ था। बंटवारे के बाद उनका परिवार बॉम्बे आकर बस गया। साल 2014 में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह में सांस्कृतिक धरोहर परिषद के महासचिव शकील वहीदुल्ला भारत दौरे पर थे। उन्होंने विनोद खन्ना से भी मुलाकात की थी। तब ऑटोग्राफ देते हुए विनोद खन्ना ने पेशावर के लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ये उनकी आखिरी इच्छा है कि वो मौत से पहले एक बार पेशावर जाकर अपनी पुश्तैनी हवेली देखें। उनकी ये ख्वाहिश पूरी नहीं हो सकी।

मुकेश अंबानी के घर पहुंचीं सिंगर रिहाना,परिवार ने फूलों से किया स्वागत, अनंत और राधिका के साथ डांस और लंच किया

मुंबई। पॉप स्टार रिहाना अपने मेकअप ब्रांड 'फेंटी ब्यूटी' के भारत

में लॉन्च के लिए इन दिनों मुंबई में हैं। इस दौरान वे रविवार को मुकेश अंबानी के घर 'एंटीलिया' भी गईं। अंबानी परिवार ने रिहाना का स्वागत बिल्कुल देसी अंदाज में किया। रिहाना ने परिवार के साथ खास लंच किया और घर के सदस्यों के साथ डांस करती भी नजर आईं।

फूलों से स्वागत, रिहाना ने किया डांस जब रिहाना एंटीलिया पहुंचीं, तो वहां ढोल-नगाड़ों और फूलों के साथ उनका स्वागत किया गया। इस दौरान रिहाना ने पारंपरिक संगीत पर डांस भी किया। उन्होंने मस्ती भरे अंदाज में अंबानी परिवार के सदस्यों पर फूल भी बरसाए।

बहुओं और बच्चों के साथ लंच रिहाना के लिए अंबानी परिवार ने एक खास लंच होस्ट किया था। इस दौरान ईशा अंबानी, श्लोका मेहता और राधिका मर्चेंट उनके साथ नजर आईं। अनंत अंबानी भी इस मौके पर मौजूद थे। रिहाना और राधिका मर्चेंट की बॉन्डिंग काफी चर्चा में रही। दोनों को एक-दूसरे के साथ हंसते, गले मिलते और बातें करते देखा गया। मैक्सी ड्रेस और सटल मेकअप में दिखीं अपने इस खास विजिट के लिए रिहाना ने ऑलिव-ग्रे रंग की एक मैक्सी ड्रेस चुनी थी। हाई-नेक और बेल स्लीव्स वाली इस ड्रेस में वे काफी ग्रेसफुल लग रही थीं। रिहाना ने अपने बालों को खुला रखकर कर्ल किया था और न्यूड लिपस्टिक के साथ अपना लुक पूरा किया। रिलायंस के जरिए भारत आया ब्रांड रिहाना का मशहूर मेकअप ब्रांड 'फेंटी ब्यूटी' अब आधिकारिक तौर पर भारत में उपलब्ध है। रिलायंस रिटेल ही इस ब्रांड को भारत लेकर आया है। रिहाना के ये प्रोडक्ट्स अब विशेष रूप से 'टीरा' और 'सेफोरा' के स्टोर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मिलेंगे। रिहाना अपने ब्रांड के प्रमोशन के लिए मुंबई के कई इवेंट्स में भी हिस्सा ले रही हैं। रिहाना और अंबानी परिवार के बीच की दोस्ती काफी पुरानी है। इससे पहले मार्च 2024 में वे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए जामनगर आई थीं। वहां उन्होंने करीब 8 साल बाद अपनी पहली प्राइवेट परफॉर्मेंस दी थी। जामनगर के फंक्शन के बाद से ही रिहाना और राधिका के बीच काफी अच्छी दोस्ती हो गई है।

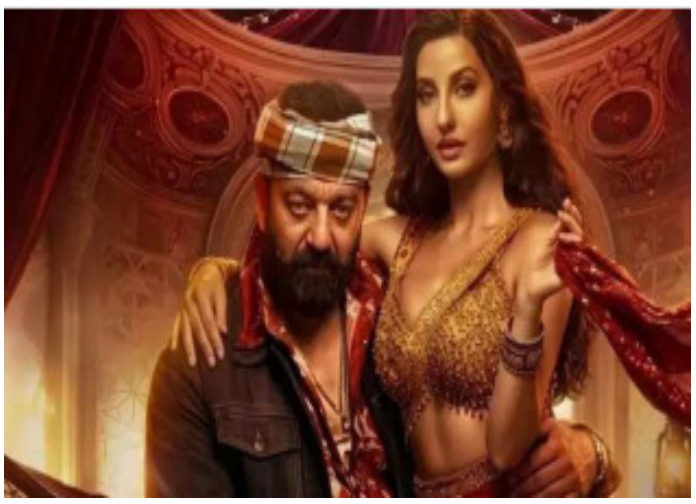

संजय दत्त ने 'सरके चुनर' गाने के विवाद पर महिला आयोग से मांगी माफी, 50 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे

मुंबई। मार्च में कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' के गाने 'सरके चुनर

तेरी सरके' के रिलीज होते ही भारी विवाद खड़ा हो गया। नोरा फतेही और संजय दत्त के इस गाने के

बोल और डांस को लेकर तीखी आलोचना हुई। इसके बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने गाने में अश्लीलता और अभद्रता को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर नोरा फतेही, संजय दत्त और बाकी एक्टर्स को तलब किया। सोमवार, 27 अप्रैल को संजय दत्त राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए और माफी मांगी।

संजय दत्त सोमवार दोपहर को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ऑफिस में जाते हुए देखे गए। उन्हें तलब किया गया था और वे अपने वकील के साथ पहुंचे। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, एक्टर के वकील ने कहा, 'संजय दत्त आज राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए और महिलाओं और आयोग के प्रति अपने गहरे सम्मान के कारण उन्होंने कहा कि उन्हें शब्दों की जानकारी नहीं थी, लेकिन फिर भी बिना किसी पूर्वाग्रह के उन्होंने माफी मांगी है और आदिवासी समुदाय के 50 बच्चों की शिक्षा का खर्च स्वेच्छा से उठाने की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि जब यह रिकॉर्डिंग हुई थी, तो यह किसी अन्य भाषा में हुई थी।'पिछले महीने, राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक बयान में कहा था कि प्रथम दृष्टया कंटेंट यौन उत्तेजक, आपत्तिजनक और भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और पीओसीएसओ अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करती दिखती है। 'राष्ट्रीय महिला आयोग ने राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अश्लील कंटेंट के आरोपों वाली मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है।' 'सरके चुनर तेरी सरके' गाने के बारे में-'सरके चुनर तेरी सरके' प्रेम का निर्देशित कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' का एक हिस्सा है। यह गाना नोरा फतेही पर फिल्माया गया है, जिसमें संजय दत्त भी नजर आए हैं। गाने की शुरुआती लाइन्स डबल मीनिंग वाली हैं, जिनमें यौन संबंध का भी जिक्र है। जैसे-जैसे पहली लाइन आगे बढ़ती है, यह स्पष्ट होता है कि ये शराब और बोतल के लिए है, न कि किसी और सेंस में, जैसा कि पिछली लाइन्स में हिंट दिया गया था। गाने में डांस मूव्स की भी आलोचना की गई है। हटाया गया 'सरके चुनर तेरी सरके' का वीडियो-इस गाने का लिरिकल वीडियो अब यूट्यूब से हटा दिया गया है। फिल्म के आधिकारिक म्यूजिक सहयोगी आनंद ऑडियो ने इस गाने को हिंदी, मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं में अपलोड किया था।पिछले महीने, नोरा ने विवाद पर एक वीडियो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। कैप्शन में एक्ट्रेस-डांसर ने लिखा, 'मैं नहीं चाहती कि कोई सोचे कि मैं इसका समर्थन करती हूं। इस दबाव के कारण हुई आलोचना के लिए धन्यवाद; सौभाग्य से फिल्म निर्माताओं ने इसे हटा दिया है।' इस गाने को सोशल मीडिया यूजर्स और राजनेताओं से कड़ी प्रतिक्रिया मिली है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।